अषाढ़ मास, शुक्ल पक्ष 20 वर्ष, अंक 212 पृष्ठ 8 मूल्य 1.00

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज से प्रकाशित

www.akhandbharatsandesh.net

नगर संस्करण प्रयागराज | मंगलवार 27 जुलाई 2021 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

क्रियायोग संदेश

स्थायी सुख, शान्ति व निर्भय वातावरण के लिए ''क्रियायोग अभ्यास करें'' सत्य की अनुभूति में सभी प्रकार के क्लेश हमेशा के लिए दूर हो जाते हैं। अध्यात्मिक वैज्ञानिकों ने सिद्ध कर दिया है कि क्रियायोग के द्वारा हम सत्य से जुड़ जाते हैं। ज्ञान, शक्ति, शान्ति, आनन्द, नाम-यश, धन आदि के लिए मनुष्य को दर-दर भटकना पड़ता है, और प्राप्त न होने पर मनुष्य में हिंसक प्रवृत्ति प्रकट होती है। क्रियायोग में भक्ति दृढ़ होने पर ज्ञान, शक्ति, शान्ति,आनन्द, धन आदि सब कुछ स्वयं मनुष्य के पास आ जाते हैं।

क्रियायोग प्राचीनतम् एवं नित्य नवीन पूर्ण विज्ञान है। ईश्वरीय नियमों के अनुसार कलिकाल में क्रियायोग का ज्ञान विलुप्त हो गया। आरोही द्वापर युग के आते ही मृत्युंजय अमर गुरु श्री महावतार बाबा जी द्वारा क्रियायोग को पुनर्जीवित कर पुनः परिष्कृत किया गया। उन्नीसवीं शताब्दी में महावतार बाबाजी ने क्रियायोग को लाहिड़ी महाशय जी के माध्यम से मानवजाति को दिया। क्रियायोग ही सनातन धर्म में वर्णित यज्ञ है। क्रियायोग ही वेदपाठ है। क्रियायोग अभ्यास से मनुष्य को अपने वास्तविक स्वरूप ''अहंब्रह्मास्मि'' की अनुभूति एक ही जन्म में सम्भव है।

स्वामी श्री योगी सत्यम्

क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान प्रयागराज

10 मिनट का अभ्यास 20 वर्ष का विकास

मिजोरम के साथ सीमा विवाद ने लिया हिंसक रूप, असम पुलिस के 6 जवानों की गई जान

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्वोत्तर के दो राज्यों असम और मिजोरम के बीच सीमा पर जारी हिंसा में असम पुलिस के छह जवानों की जान चली गई है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने ट्विट करते हुए कहा 'मुझे यह सूचित करते हुए बहुत दुख हो रहा है कि असम-मिजोरम सीमा पर हमारे राज्य की संवैधानिक बॉर्डर की रक्षा करते हुए असम पुलिस के छह बहादुर जवानों ने अपने प्राणों की आहुति दे दी है।

शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी संवेदना।'बता दें कि असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने सोमवार को मिजोरम के अपने समकक्ष ज़ोरमथांगा से पूर्वोत्तर के दो राज्यों के बीच सीमा पर जारी हिंसा को लेकर बात की और मतभेदों को दूर करने के लिए आइजोल के दौरे का प्रस्ताव रखा है। दोनों मुख्यमंत्री ट्विटर पर आमने-सामने हो गए थे, जब उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से शिकायत की थी, जिन्होंने शनिवार को शिलांग में पूर्वोत्तर राज्यों के बीच सीमा विवाद पर एक बैठक की थी।

सरमा ने ट्वीट किया, 'मैंने अभी माननीय मुख्यमंत्री ज़ोरमथांगा जी से बात की। मैंने दोहराया कि असम हमारे राज्य की सीमाओं के बीच यथास्थिति और शांति बनाए रखेगा। मैंने आइजोल जाने और जरूरत पड़ने पर इन मुद्दों पर चर्चा करने की इच्छा व्यक्त की है। शुरुआत में असम पुलिस ने दावा किया कि दिन के दौरान कछार जिले में मिजोरम की ओर से उपद्रवी तत्वों द्वारा किए गए पथराव में उसके कम से कम छह कर्मी घायल हो गए हैं, लेकिन अब खुद मुख्यमंत्री ने छह जवानों की मौत की बात कही है।

असम की ओर के स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि लाठी, रॉड और यहां तक ??कि राइफलों से लैस होकर आए सैकड़ों उपद्रवियों ने लैलापुर में असम पुलिस के कमिन्यों पर हमला किया और उपायुक्त के कार्यालय से संबंधित वाहनों सहित कई वाहनों को क्षतिग्रस्त कर दिया। उनमें से कुछ ने दावा किया कि उपद्रवियों ने असम पुलिस कमिन्यों पर गोलियां चलाईं, लेकिन इसकी तुरंत पुष्टि नहीं हो पाई थी। लेकिन अब खुद मुख्यमंत्री ने असम पुलिस के छह जवानों के मौत की पुष्टि की है।

घटना के बाद मिजोरम के गृह मंत्री लालचमलियाना ने कहा कि मिजोरम सरकार चाहती है कि असम के साथ अंतर्राज्यीय सीमा विवाद को शांति और समझ के माहौल में सुलझाया जाए। उन्होंने कहा कि मिजोरम पुलिस पर आंसू गैस के गोले दागे गए और उसके बाद असम की ओर से गोलीबारी की गई। इस तथ्य के बावजूद कि एसपी, कोलासिब जिला सीआरपीएफ ड्यूटी कैंप के अंदर असम पुलिस के साथ बातचीत कर रहा थे, मिजोरम पुलिस ने असम पुलिस पर वापस फायरिंग करके जवाब दिया। मिजोरम के गृह मंत्री ने कहा कि असम पुलिस ने निहत्थे नागरिकों पर लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले दागे, जिससे कई नागरिक घायल हुए। जून से मिजोरम-असम की सीमा पर तनाव जारी है, जब असम पुलिस ने वायरेंगटे से करीब पांच किलोमीटर की दूरी पर स्थित 'ऐटलांग हनार इलाके पर कथित तौर पर नियंत्रण कर लिया और पड़ोसी राज्य पर इसकी सीमा का अतिक्रमण करने का आरोप लगाया था। आज हुई हिंसा को लेकर मिजोरम के पुलिस उप महानिरीक्षक (उत्तरी रेंज) लालबियाकथांगा खियांगते ने पीटीआई-भाषा को बताया कि घटना अशांत क्षेत्र में एटलांग धारा के पास रात करीब साढ़े 11 बजे हुई। उन्होंने कहा कि ये गांव वैरेंगटे के किसानों के थे, जो असम का निकटतम सीमावर्ती है

सहभागी शासन का प्रभावी उदाहरण बना हुआ है 'माई जीओवी'.युवाओं को दे रहा आवाज : पीएम मोदी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कहा कि नागरिकों को सरकार से जुड़ने और सुशासन के लिए अपना योगदान देने का अवसर प्रदान करने का मंच ''माईगव'' सहभागी शासन का प्रभावी उदाहरण बना हुआ है और यह युवाओं को आवाज दे रहा है। प्रधानमंत्री ने यह बात ''माईगव'' मंच के सात साल पूरे होने के अवसर पर कही। वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदी ने इस मंच की शुरुआत की थी। एक ट्वीट में ''माईगव इंडिया'' ने कहा, ''हमारे सात साल के सफर को अतुलनीय बनाने के लिए माईगव के सभी साथियों को धन्यवाद। माईगव डॉट इन पर अपने बहुमूल्य सुझाव देने के लिए आप सभी का बहुत धन्यवाद। इसके साथ मंच की ओर से एक वीडियो भी साझा किया गया, जिसमें उसकी उपलब्धियों का ब्योरा दिया गया है। प्रधानमंत्री ने एक ट्वीट में इस मंच को अपने योगदान से समृद्ध बनाने के लिए सभी स्वयंसेवकों का धन्यवाद किया और कहा, ''माईगव सहभागी शासन का प्रभावी उदाहरण बना हुआ है और युवा शक्ति को भी आवाज दे रहा है।

गोवा में भाजपा 24 घंटे बिजली देने में रही नाकाम, सरकार बनी तो हम दिल्ली की तरह देंगे मुफ्तः केजरीवाल

नयी दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को कहा कि गोवा के ऊर्जा मंत्री राज्य में लोगों को 24 घंटे बिजली मुहैया कराने में अपनी पार्टी की सरकार की नाकामी स्वीकार कर चुके हैं लेकिन 'आप' अगर वहां सत्ता में आती है तो वह राज्य को 'मुफ्त और निर्बाध' बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करेगी। केजरीवाल की यह टिप्पणी दिल्ली के ऊर्जा मंत्री सत्येंद्र जैन और गोवा के उनके समकक्ष नीलेश कैब्राल के बीच सोमवार को राज्य की बिजली के मुद्दे पर हुई बहस के बाद आई है। केजरीवाल ने ट्वीट किया, '' गोवा और दिल्ली के ऊर्जा मंत्रियों के बीच शानदार बहस हुई। लोकतंत्र के लिए अच्छा है। नीलेश कैब्राल ने स्वीकार किया कि भाजपा इतने साल शासन करने के बावजूद गोवावासियों को 24 घंटे बिजली देने में असफल रही है। भाजपा मुफ्त बिजली भी मुहैया नहीं कराती।

बिहार एनडीए से नाराज मुकेश सहनी ने की जीतन राम मांझी से मुलाकात, शाहनवाज हुसैन भी पहुंचे

पटना (एजेंसी)। बिहार के उद्योग मंत्री शाहनवाज हुसैन सोमवार की देर शाम पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी के आवास पर जाकर उनसे मुलाकात की। शाहनवाज हुसैन का अचानक मांझी के आवास पर पहुंचने की घटना राजनीतिक गलियारे में चर्चा का विषय रही। वे करीब आधा घंटे वहां रुके। गौरतलब है कि हम के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी से वीआईपी के प्रमुख और पशु-मत्स्य संसाधन मंत्री मुकेश सहनी ने सोमवार को मुलाकात की। मांझी के आवास पर दोनों नेताओं की करीब घंटेभर बातें हुईं। हाल के कुछ दिनों के अंदर इन दोनों नेताओं की यह तीसरी मुलाकात थी। दोनों नेताओं के बीच राज्य के वर्तमान राजनीतिक हालात पर चर्चा हुई। इनकी मुलाकात राजनीतिक गलियारे में चर्चा का विषय रही।

मालूम हो कि एक दिन पहले ही रविवार को उत्तर प्रदेश में पूर्व सांसद फूलन देवी की प्रतिमा को जब्त करने की कारवाई की गई, जिसकी जीतन राम मांझी ने निंदा की थी। आज दोनों नेताओं के बीच इसको लेकर भी बातें हुईं। हम के प्रवक्ता दानिश रिजवान ने इसे व्यक्तिगत मुलाकात बताया है। विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) प्रमुख और प्रदेश के पशु एवं मत्स्य विभाग के मंत्री मुकेश सहनी के तेवर तल्ख हैं।

विपक्षी एकजुटता को मजबूत करेंगी ममता ! दिल्ली दौरे से पहले ट्विटर पर ट्रेंड हुआ 'अबकी बार दीदी सरकार'

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी 'मिशन 2024' को भुनाने के लिए राजनीतिक दलों को एकजुट करने के प्रयासों में जुटी हुई हैं। ममता बनर्जी के दिल्ली दौरे से पहले दोनों हैशटैग काफी ट्रेंड कर रहे थे। हाल ही में कांग्रेस से तृणमूल कांग्रेस में शामिल हुए पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के बेटे अभिजीत मुखर्जी ने दोनों हैशटैग के साथ एक पोस्टर साझा किया। जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ममता बनर्जी की तस्वीर है। इस पोस्टर में भाजपा का बहुचर्चित स्लोगन 'बहुत हुई जनता पर पेट्रोल-डीजल की मार, अबकी बार मोदी सरकार' कटा हुआ है। जबकि ममता बनर्जी वाली तस्वीर में लिखा है- 'अबकी बार दीदी सरकार' । पोस्टर के नीचे तरफ लिखा हुआ है कि नहीं चाहिए फेकू सरकार। इसके साथ ही दोनों हैशटैग का भी इस्तेमाल किया गया है।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक ममता बनर्जी सोमवार शाम नई दिल्ली के लिए रवाना होने वाली हैं और 29 जुलाई तक वहां रहेंगी। उनके 28 जुलाई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने का कार्यक्रम है। वह अपनी यात्रा के दौरान कई विपक्षी नेताओं से भी मिल सकती हैं। बता दें कि बंगाल में भाजपा के 200 प्लुस के दावे के खोखले साबित होने के बाद ममत बनर्जी ने राष्ट्रीय राजनीति का नेतृत्व करने का मन बना लिया है। लेकिन क्या वह लोकसभा चुनाव 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ विपक्ष का चेहरा होंगी ? यह सवाल काफी अहम है। गौरतलब है कि तृणमूल कांग्रेस ने सांसद नहीं होने के बावजूद ममता बनर्जी को संसदीय दल का नेता चुना है। इसके तुरंत बाद ही वह दिल्ली दौरे पर आ रही हैं। राजनीतिक गलियारों पर चर्चा है कि अगर विपक्षी दल के सभी नेता दिल्ली में मौजूद रहे तो ममता बनर्जी 28 जुलाई को उनसे चाय पर मुलाकात कर सकती हैं। यह बैठक उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी के आवास पर होने की संभावना है। माना जा रहा है कि भाजपा के खिलाफ बटे हुए विपक्ष को ममता बनर्जी चाय पर मुलाकात के जरिए एकजुट करने का प्रयास करेंगी।

चुनावी राज्यों में भाजपा के लिए जमीन तैयार कर रहा संघ, सामने हैं कई बड़ी चुनौतियां

नई दिल्ली। जाहिर सी बात है कि आने वाले चुनावों को लेकर संघ अपनी रणनीतिक तैयारी शुरू कर चुका होगा। लेकिन उसके सामने कई चुनौतियां हैं और सबसे बड़ी चुनौती तो उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड जैसे राज्यों में भाजपा की वापसी कराना है। इसको लेकर संघ अपनी तरफ से लगातार बैठकें कर रहा है और रणनीति बना रहा है।

अगले साल उत्तर प्रदेश सहित पांच राज्यों में चुनाव होने है। उत्तर प्रदेश के अलावा उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर में भाजपा की सरकार है। जबकि उसे पंजाब में अपने अस्तित्व को खड़ा करना है। पंजाब में इस बार प्रकाश सिंह बादल की पार्टी भाजपा से अलग हो गई है। ऐसे में उसे वहां अकेले ही चुनाव लड़ना है और आगे की राजनीति की ओर बढ़ना है। हमेशा से यह माना जाता रहा है कि भाजपा के लिए राजनीतिक तौर पर संघ ही जमीन तैयार करता है। जाहिर सी बात है कि आने वाले चुनावों को लेकर संघ अपनी रणनीतिक तैयारी शुरू कर चुका होगा। लेकिन उसके

सामने कई चुनौतियां हैं और सबसे बड़ी चुनौती तो उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड जैसे राज्यों में भाजपा की वापसी कराना है। इसको लेकर संघ अपनी तरफ से लगातार बैठकें कर रहा है और रणनीति बना रहा है। **उत्तर प्रदेश** : सीट के लिहाज से देश का सबसे बड़ा राज्य उत्तर प्रदेश है। यहां योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भाजपा की सरकार है। लेकिन आने वाले चुनाव में भाजपा वापसी कर पाएगी या नहीं कर पाएगी यह तो वक्त ही बताएगा। लेकिन संघ के सामने योगी आदित्यनाथ की सरकार पर कोरोना महामारी के दौरान अव्यवस्था के जो आरोप लगे हैं उसे मिटाना एक बड़ी चुनौती है। विरोधी अगर ऐसा आरोप लगा रहे होते तो बड़ी बात नहीं होती लेकिन खुद भाजपा और संघ के लोग भी यह मानते हैं कि कोरोना महामारी के दौरान उत्तर प्रदेश में अव्यवस्था की स्थिति देखने को मिली और सोशल मीडिया पर भी योगी सरकार के खिलाफ जमकर सवाल किए गए।

संघ पूरी तरह से उत्तर प्रदेश में डैमेज कंट्रोल में जुटा हुआ है। लोगों तक लगातार पहुंचने की कोशिश कर रहा है। साथ ही साथ कोरोना की संभावित तीसरी लहर को लेकर हेल्थ वॉलिंटियर्स अभियान चला रहा है। इसके साथ ही संघ की कोशिश यह है कि वह लोगों तक पहुंचे और जो सरकार के खिलाफ माहौल बना है उसे ठीक किया जा सके। उत्तर प्रदेश में खासकर पश्चिमी इलाके में संघ को किसान आंदोलन की वजह से भी अलग तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

GSTIN : 09AAFTM3349D1ZK
PAN-AAFTM3349D
Reg. No.: 1/2014
मिसकीन सेवा संस्थान ट्रस्ट
Misqeen Sewa Sansthan Trust
(इण्डियन ट्रस्ट एक्ट 1882 केअन्तर्गत पंजीकृत)
श्रमिको, मजलूमों, गरीबों अनाथो के सेवा में तत्पर
फाउण्डर प्रबन्धकः अहद अहमद सिद्दीकी उर्फ शहजादे पत्रकार/ग्राम प्रधान अल्हवा कोरांव, प्रयागराज
कार्यालय : माण्डा वाली रोड, कोरांव–प्रयागराज,
निवास ग्राम–अल्हवा, देवघाट, कोरांव–प्रयागराज 212306
Mob.: 9450613192
E-mail: miskeenss2014@gmail.com, sahjadekoraon@gmail.com

केसरवानी एण्ड सन्स
नोट- हमारे यहाँ मोबिल, पाइप, पेन्ट, सेनेट्री, हार्डवेयर, दरवाजा टाइल्स, समर सेबुल पम्प, चारा मशीन, बाथरूम फिटिंग इत्यादि उचित मूल्य पर प्राप्त करें।
अनुपम – 8318174147 अनमोल– 6388773491
जी0टी0 रोड, हनुमानगंज, प्रयागराज

Reg. No. U01400UP2021PTC147142
स्थापना वर्ष – 2021
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF CORPORATE AFFAIRS
शेषदुर्गा हर्बल प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड
अश्वगंधा
अकरकरा
प्रयागराज के किसानो से आग्रह है कि सुनहरे भविष्य के लिए औषधीय पौधों की खेती करके अपनी आय चार गुना ज्यादा बनाने के लिए कम्पनी की सदस्यता ग्रहण करें।
फाउण्डर आर. पी. पाण्डेय LL.B
ग्राम–कबरा, पोस्ट–डीहा, तहसील–करछना, प्रयागराज
रजि. कार्यालय–868/5 कृष्णा नगर, अरैल, नैनी, प्रयागराज
Mob.: 9935613506

प्रकाश हॉस्पिटल
स्वास्थ सेवाओं के लिए 24 घंटे सेवा में तत्पर

निदेशक- डॉ. विजय बाबू यादव
(सदस्य जिला पंचायत)
Mob.: 8858487147
पता–भीरपुर करछना, प्रयागराज

सूफी आशिक बाबा
सभी समस्याओं का निःशुल्क समाधान के लिए संपर्क करें।
नोट : खोए हुए व्यक्ति को हर हाल में मिलाना, ऊपरी बाधा से परेशान और उसका नि:शुल्क समाधान कराना, वैवाहिक जीवन में समस्त कष्टों को दूर कराना, जिन पुरुष व युवती की शादी में किसी प्रकार का कोई रुकावट आ रहा है तो, उसका भी समाधान किया जाता है सभी समस्याओं का समाधान समय से कर दिया जाता है 30 वर्षों का अनुभव प्राप्त।
पताः एडीए कॉलोनी, पुलिस चौकी के पास, नैनी, प्रयागराज
मोबाइल नंबरः 9793403230, 9335128224

ग्रामीण अचंल

महिला को नौकरी का लालच देकर ग्राम विकास अधिकारी व पूर्व प्रधान के मिलीभगत से नंबरी जमीन पर सामुदायिक शौचालय का करवाया निर्माण

अखंड भारत संदेश

बहरिया। बहरिया ब्लाक के ग्राम विकास अधिकारी व पूर्व ग्राम प्रधान महिला की नियुक्ति पाठ पढ़ा कर उसकी भूमिधरी जमीन पर सामुदायिक शौचालय का निर्माण करा दिया।यह मामला बहरिया ब्लाक के चरायचण्डी देवापुर बेला का है।मीडिया से वार्ता करते हुए वीरेन्द्र ने ग्राम विकास अधिकारी व पूर्व ग्राम प्रधान पर गम्भीर आरोप लगाया।कि ग्राम विकास अधिकारी व प्रधान ने मेरी पतनी मनोजा देवी की सामुदायिक शौचालय में नियुक्ति का झांसा दे कर मेरी 202 नम्बर की भूमिधरी जमीन पर शौचालय बनवाया दिया।

कुछ दिन तक ग्राम विकास अधिकारी उसे झूठा आश्वासन देता रहा और उसके पतनी के स्थान पर उसी गांव की महिला किरन देवी पति

कृष्ण कुमार की नियुक्ति सामुदायिक शौचालय में कर दिया।जब वीरेन्द्र को मालूम हुआ तो उसने इसकी जानकारी बहरिया खंड विकास अधिकारी को शिकायत की और वह उसे जांच करने का आश्वासन दिया।लेकिन अभी तक उस पर कोई सुनवाई नहीं की जिससे उसका परिवार क्षुब्ध दिखाई पड़ रहा है।

सार्वजनिक स्थान पर हार जीत की जुआ खेल रहे 3 लोगों को पुलिस ने हिरासत में लेकर किया चालान

भीरपुर/करछना। थाना क्षेत्र के अंतर्गत कबरा रोड बगिया में सोमवार को हार जीत के जुआ की चौपाल सजी थी। जिसकी जानकारी होने पर करछना थाना यस आई धीरेंद्र कुमार सिंह अन्य सिपाहियों के साथ मुखबिर द्वारा बताए हुए स्थान पर पहुंचे। जहां पुलिस को अपनी ओर आता देख जुआरियों में भगदड़ मच गई। वहीं पुलिस ने दौड़ाकर मौके से रितु ध्वज निषाद पुत्र संजय निषाद, दीपक निषाद पुत्र नटराज निषाद, दीपक कुमार निषाद पुत्र स्वर्गीय लल्लू राम निषाद को हिरासत में लेते हुए ताश के 52 पत्ते व जमा तलाशी के?110 एक मोटरसाइकिल बरामद कर चालान कर दिया गया।

हंडिया पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी, अवैध शराब के साथ पकड़े गए चार शराब तस्कर

अखंड भारत संदेश

हंडिया। अपराध एवं अपराधियों शराब माफियाओं पर नियंत्रण हेतु चलाये जा रहे अभियान के तहत डीआईजी/एस एस पी सवश्रेषठ त्रिपाठी व पुलिस अधीक्षक अपराध एवं सीओ हडि़या संतोष कुमार सिंह के निर्देशन में हंडिया थाना क्षेत्र के बगहा क्रॉसिंग पर पुलिस ने छापेमारी कर 4 शराब तस्करों को गिरफ्तार कर 1755 सीसी अवैध शराब बरामद किया।

मिली जानकारी के अनुसार सोमवार की सुबह 4.30 बजे कोतवाल हंडिया बृजेश सिंह को मुखबिर द्वारा सूचना मिली की कुछ शराब तस्कर आर्टिका कार ळइ्‌ 70इइ0029 में हंडिया से प्रतापगढ़ के लिए भारी मात्रा में अवैध शराब लेकर जा रहे हैं तुरंत सतर्कता दिखाते हुए हंडिया कोतवाल बृजेश सिंह, उपनिरीक्षक जगदीश यादव, अतुल सिंह, चालक रमेश मिश्रा ह0का0 शंकर यादव , संतोष, जगरूप, अनुराग,

राम प्रवेश मय फोर्स घेरा बंदी कर कार सहित बदमाशों को घेर लिया गाड़ी की तलाशी लेने पर गाड़ी में कुल 39 पेटी अपमिश्रित शराब बरामद हुई । जिनकी कुल अनुमानित कीमत 125000 के करीब है। पुलिस ने अर्टिका कार समेत मौके पर चारों आरोपियों पवन मिश्रा पुत्र जटाशंकर मिश्रा निवासी विक्रमपुर थाना सराय ममरेज,सुमित कुमार दुबे फोटो मोनू पुत्र शैलेंद्र दुबे निवासी अढनी थाना सराय ममरेज और महेश गुप्ता पुत्र राजेश गुप्ता निवासी कुकुढ़ा थाना हंडिया शुभम साहू पुत्र लक्ष्मी नारायण साहू निवासी कुराकाठ को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई कर रही है।

सिरसा गंगा घाट पर मिला युवक का शव

अखंड भारत संदेश

सिरसा/मेजा। प्रयागराज मेजा थाना क्षेत्र के सिरसा पुलिस चौकी सिरसा गंगा घाट पर एक युवक का शव मिलने से हड़कंप मच गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मिली जानकारी के अनुसार मेजा थाना क्षेत्र के सिरसा गंगा घाट पर शव मिलने की सुचना पर पहुंचे सिरसा चौकी प्रभारी जितेन्द्र कुमार राजपूत ने शव की शिनाख्त ओमप्रकाश पटेल (26) पुत्र लक्ष्मण प्रसाद पटेल निवासी बितिग्या (बंधवा) के रूप मे हुई। पुलिस द्वारा परिजनों को जानकारी दी गई। वहीं परिजनों के मुताबिक ओमप्रकाश तबियत खराब चल रहा था। रविवार को दोपहर खून जांच कराने मेजारोड के लिए निकला था। मृतक तीन भाइयों मे छोटा है। मृतक को नौ माह का एक बेटा व तीन साल की बेटी है। परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच मे जुट गई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। इस घटना से लोगो मे तरह-तरह की चर्चा बनी हैं।

कोविट 19 का का पालन करते हुए सुरु हुआ श्रावण मास, पूजे गए भोले नाथ

हर हर महादेव के जयकारों से गूंजा मनकामेश्वर धाम

अखंड भारत संदेश

लालापुर/प्रयागराज। श्रावण मास के पहले सोमवार को दर्शनाथियों का तांता लगा रहा और हर हर महादेव के जयकारों के साथ कोविड-19 को ध्यान में रखते हुए सभी दर्शनाथियों को दर्शन कराया गया महादेव भोलेनाथ का दर्शन प्रशासन के द्वारा कड़ी निगरानी में कराया गया शासन प्रशासन की मुस्तैदी चुस्त-दुरुस्त थी सभी श्रद्धालु को तीनों थानों की बारा ,लालापुर, शंकरगढ़ की फोर्स मुस्तैद रहकर मनकामेश्वर धाम लालापुर गांव के पहाडि़यों के बीच में बसा है काफी प्रसिद्ध और प्राचीन देव स्थल है यहां काफी दूर दराज से बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन करने के लिए आते हैं और सभी

श्रद्धालुओं की मनोकामना पूरी होती है सावन मास शुरू होते ही बड़ी तादात में लोग उपस्थित होते हैं और तरह तरह सामग्रियों की दुकानें भी लगती हैं और महादेव को चढ़ने वाला प्रसाद की भी दुकानें लगती है।

मौके पर लालापुर प्रधान शंकर लाल पाण्डेय, दीपचंद्र शुक्ला ,पंडित राम प्रभाव द्विवेदी,आदि लोग मौजूद रहे। थानाअध्यक्ष ने आश्वासन दिया मंदिर परिसर के अंदर किसी भी प्रकार का अव्यवस्था ना फैलाएं सभी लोग महादेव का दर्शन करें और अपने अपने घर जाएं।

फरार चल रहे वांछित को पुलिस ने धर दबोचा

अखंड भारत संदेश

सहसों। अपराध एवं अपराधियों पर चलाए जा रहे नियंत्रण अभियान के तहत थाना सराय इनायत व पुलिस चौकी सहसों की टीम ने एक वांछित अपराधी अर्जुन पटवा उर्फ राजेंद्र कुमार पटवा उर्फ राजन 53 वर्ष पुत्र स्वर्गीय सरजू प्रसाद पटवा निवासी चकिया घरहरा थाना सराय इनायत प्रयागराज को सोमवार को सुबह पौने आठ बजे अपराधी शहर छोड़ कर भागने की फिराक में था। मुखबिर खास की सूचना पर छिवकी रेलवे स्टेशन थाना नैनी से संबंधित थाने और चौकी की पुलिस ने घेराबंदी करके धर दबोचा। बतादें कि गिरफ्तार किया गया उक्त अपराधी बीते 3 जुलाई को चकिया घरहरा गांव निवासी बलवंत भारतीया की मासूम बेटी श्रद्धा भारतीया के हत्या केस में वांछित है। गिरफ्तार किए गए अपराधी के विरुद्ध थाना सराय इनायत में संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत करते हुए जेल भेज दिया गया। गिरफ्तार किए गए अपराधी के पास से जामा तलाशी में एक हजार रुपया नगद भी बरामद हुआ।

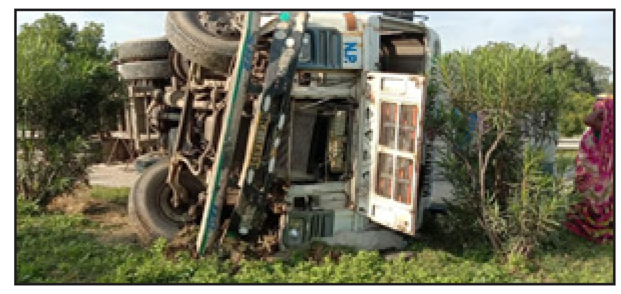

बिगहिया नेशनल हाईवे के पास कंटेनर पलटने से ड्राइवर खलासी चोट हील

अखंड भारत संदेश

थरवई। थाना क्षेत्र के अंतर्गत खिदिरपुर बनकट बिगहिया नेशनल हाईवे के पास तेज रफ्तार में आ रही कंटेनर पलट गई।जिससे ड्राइवर और कंडक्टर को गंभीर चोटें आई।जिससे मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। मिली जानकारी के मुताबिक सुबह भोर लगभग 5:00 बजे बनारस से कानपुर की तरफ जा रही कंटेनर जैसे ही वह खिदिरपुर बनकट गांव के समीप पहुंची तो बीच में अंतराल होने के कारण जब तक वह ड्राइवर कुछ समझ पाता वहीं से अपनी कंटेनर को घुमाया लेकिन हाई स्पीड होने के कारण कंटेनर नेशनल हाईवे के बीचो बीच पलट गई।लगभग एक महीना पहले से ही एक तरफ खिदिरपुर गांव से सड़क रिपेयरिंग होने के कारण मिट्टी डालकर आवागमन बंधित कर दिया गया है।

आने जाने वाले को खिदिरपुर से लेकर सोरांव नवाबगंज के बीच एक तरफ से रूट डायवर्जन किया गया है।जिससे आए दिन अक्सर ऐसी ही दुर्घटनाएं खिदिरपुर गांव के समीप होती रहती हैं। लेकिन किसी प्रकार की कोई भी ड्राइवर खलासी की जान का खतरा नहीं हुई।अगर ऐसे ही गाडि़यां पलटी रहेंगी तो किसी दिन भारी नुकसान का सामना करना पड़ सकता है। लेकिन शासन प्रशासन चुप्पी साधे बैठी हुई है।

बेहतर समन्वय स्थापित कर फरियादियों को दिलाएं न्याय : एसडीएम

अखंड भारत संदेश

सिरसा/मेजा/प्रयागराज। मेजा तहसील में वादकारियों को न्याय दिलाने हेतु मेजा बार - बेंच की एक समन्वय बैठक बार के उपाध्यक्ष शिवाकांत पांडेय की अध्यक्षता में हुई। जिसमें बार एसोसिएशन मेजा के अध्यक्ष उमाकांत मिश्र ने अधिवक्ताओ के विभिन्न समस्याओं को उप जिलाधिकारी मेजा रेनू सिंह के सामने रखा।अध्यक्ष ने कहा गैर विवादित मामले का शीघ्र निस्तारण हो तथा अधिवक्ताओ का हित सुरक्षित रहे।उन्होंने अधिवक्ताओ व वादकारियों की विभिन्न समस्याओं को अवगत कराते हुए नियमित न्यायालय चलाने की माँग की।

इस दौरान बार के वरिष्ठ व

कनिष्ठ अधिवक्ताओ ने अपने-अपने विचारों को उपजिलाधिकारी के सामने रखा। उपजिलाधिकारी रेनू सिंह ने कहा बार - बेंच एक सिक्के के दो पहलू हैं।एक दूसरे के बिना दोनों शून्य है और परिवार का सदस्य भी बताया।बार - बेंच के बेहतर तालमेल से ही फरियादियों को न्याय दिलाया जा सकता है।उन्होंने अधिवक्ताओ को नियमित न्यायालय चलाने का आश्वासन दिया।बार व बेंच में तालमेल बनाने की बात कही।इस यसडीएम ने कहा की वादकारियों को न्याय दिलाने में अधिवक्ताओं का अहम रोल होता है।कोर्ट को सुचारू रूप से चलाने के लिए अधिवक्ताओं का सहयोग जरूरी होता है। बैठक में तहसीलदार विशाल शर्मा,रजिस्ट्रार कानूनगो गणेश त्रिपाठी, पूर्व अध्यक्ष तुलसीदास तिवारी,वरिष्ठ अधिवक्ता सतीश चंद्र दुबे, संतोष कुमार विश्वकर्मा एडोकेट, सुनील कुमार विश्वकर्मा एडोकेट,दिवाकर सिह यादव एडोकेट,राकेश सोनकर एडोकेट,अरुण तिवारी, जगदीश दुबे,राजेंद्र तिवारी,कमलेश मिश्र,हरिशंकर मिश्र, आनंद पांडेय,ओंकार नाथ मिश्र, दुर्गेश तिवारी, कृष्णकांत त्रिपाठी,राजीव शुक्ला, देवानंद पटेल,अनिल यादव,ओंकारनाथ पाल सहित वरिष्ठ व कनिष्ठ अधिवक्ता व न्यायिक कर्मचारीगण आदि लोग मौजूद रहे।

पिता और पुत्र के झगड़े में दर्ज हुआ एनसीआर दोनों घायल

बहरिया। बहरिया थाना क्षेत्र के अंतर्गत कनईपुर गांव निवासी सोहनलाल पुत्र टेढू रविवार की रात में किसी कारण बस अपने पुत्र राजेश कुमार से कहासुनी कर लिया।जिसमें पिता पुत्र ने एक दूसरे को इतना पीटा की दोनों का सिर फट गया।बीच बचाव कर रहे।राकेश कुमार व राजेश कुमार को भी काफी चोटे आई दोनों पक्षों ने बहरिया थाने पहुंचकर प्रार्थना पत्र दिया।थाना प्रभारी जय प्रकाश शर्मा दोनों की तहरीर पर एनसीआर लिखते हुए। उपचार हेतु सीएचसी मैलहा भेजा उपचार के बाद में दोनों पक्षों ने आपस में सुलह समझौता करके अपने अपने घर चले गए।

बरेठी में क्षेत्र पंचायत सदस्य सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

अखंड भारत संदेश

उतरांव। सैदाबाद क्षेत्र के बरेठी डगरहा का पूरा गांव में स्थित लक्ष्मी गार्डेन में क्षेत्र पंचायत सदस्य का स्वागत व सम्मान समारोह का हुआ आयोजन।

मुख्य रूप से आयोजित सम्मान समारोह के आयोजक विश्व गौरव सिंह ने ब्लॉक के सभी क्षेत्र पंचायत सदस्यों को अंगवस्त्र व प्रतीक चिन्ह से सम्मानित किया। सम्मान समारोह में पूर्व निर्दलीय प्रत्याशी विश्व गौरव ने कलमकारों को सम्मान किया।पूर्व ब्लॉक प्रमुख प्रत्यासी ने पत्रकारों को सम्मानित करते हुए कहा कि पत्रकार देश का चौथा स्तंभ है हर व्यक्ति को इनका सम्मान करना चाहिए। आज इन्हीं की वजह से हम घर बैठे देश दुनिया की सारी खबरें देख रहे हैं।उन्होंने उपस्थित सभी बीडीसी

का आभार जताया।मौजूद सभी सदस्यों ने कहा जिस प्रकार से सत्ता का हनक दिखा कर प्रशासन ने चुनाव गड़बड़ी कर जीते हुए निर्दलीय प्रत्याशी विश्व गौरव सिंह को चुनाव हराया गया। वह बहुत ही निंदनीय है।मौके पर विश्व गौरव सिंह, बृजेश कुमार,बालकृष्ण, भानु प्रताप सिंह, रामबाबू, राजेश, जितेंद्र मिश्र,सराफत भाई,असलम,राम बाबू, कृष्णराज, अमित, सूरज लाल, ओमप्रकाश,राजेश कुमार,पवन मिश्रा (पूर्व प्रधान) बिंदा सहित सैकड़ों की संख्या में लोग मौजूद रहे।

हिरासत से भाग निकला ट्रक चोरी का आरोपी, बैरंग लौटी पुलिस

प्रयागराज। धूमनगंज पुलिस की लापरवाही से ट्रक चोरी का आरोपी हिरासत से भाग निकला। लखनऊ में दो दिन पहले पहुंची थाने की एक टीम ने आरोपी को पकड़ा था। वही पुलिसकर्मी उसे लेकर ट्रक बरामद करने पहुंचे थे तभी आरोपी पुलिसकमिर्यों को चकमा देकर अपने बाइकसवार साथी संग भाग निकला। जिसके बाद पुलिसकर्मी ट्रक लेकर वापस चले आए।सुलेमसराय निवासी अरुण पांडेय ने सीतापुर निवासी उमेश कुमार सिंह के खिलाफ 19 जुलाई को धूमनगंज थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी। आरोप है कि कुछ दिन बतौर चालक काम करने के बाद आरोपी ट्रक व उसमें लदा 50 हजार का सामान लेकर गायब हो गया। सूत्रों का कहना है कि जीपीएस से लोकेशन ट्रेस करने पर पता चला कि ट्रक लखनऊ में रखा गया है। थाने में जानकारी देने पर भी कार्रवाई नहीं हुई तो पीडि़त ने डीआईजी से गुहार लगाई।

जिनके आदेश केबाद 22 जुलाई की रात टीपी नगर चौकी इंचार्ज पवन सिंह व दो सिपाही पीडि़त की ओर से सात हजार में बुक की गई प्राइवेट गाड़ी से लखनऊ पहुंचे। इसके बाद जाल बिछाकर सुबह छह बजे आरोपी उमेश को हिरासत में ले लिया गया।

आईएएस/संयुक्त मजिस्ट्रेट से मिले प्रतियोगी छात्र

अखंड भारत संदेश

जसरा। प्रयागराज। उपजिलाधिकारी बारा/आईएएस सौम्या गुरु रानी ने प्रयाग संगम सेवा संस्थान के तत्वाधान में कुछ प्रतियोगी बच्चों को पढ़ाई के प्रति मोटीवेट किया। उन्होंने बताया कि लगन शीलता और नियमित स्वाध्याय करने वाले बच्चे निश्चय ही प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त कर सकेंगे।आईएएस महोदया ने उत्तर प्रदेश अधीनस्थ चयन आयोग की तैयारी कर रहे छात्रों को परीक्षा में सफल होने के टिप्स के बारे में जानकारी दिया और जिन बच्चों का मनोबल कम हो जाता है, उनको लगातार मेहनत करने की बात कही। एसडीएम मैडम ने कहा आप लोग मेहनत करते रहें सफलता जरूर मिलेगी। प्रयाग संगम सेवा संस्थान के अध्यक्ष सुधांशु मिश्रा ने अपनी मार्गदर्शक महोदया जी का आभार व्यक्त किया। उपस्थित रहे प्रतियोगी छात्र मनीष पाठक,हर्षदीप मिश्रा,अवनीश शुक्ला, राम जी त्रिपाठी,

संगठन के पदाधिकारी रावेन्द्र तिवारी, अजीत त्रिपाठी,प्रधान जसरा आशीष सोनकर,शीबू मिश्रा, किशन तिवारी,राजेश तिवारी,अनूप तिवारी आदि लोग मौजूद रहे।

सावन के पहले सोमवार शिव मंदिरों में श्रद्धालुओ की उमड़ी भिड़

सिरसा/मेजा। प्रयागराज पवित्र श्रावण मास के पहले सोमवार पर पूजा अर्चना के लिए शिवालयों में सुबह से ही जलाभिषेक शुरू हो गया। मंदिरों में पहुंचे श्रद्धालुओं ने पूर्ण आस्था भाव के साभ भगवान शिव की आराधना के साथ-साथ शिवजी चालीसा किया।सावन माह के पहले सोमवार को सुबह के समय मंदिरों में स्थित शिवालयों में श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक किया। क्षेत्र के शिव मंदिरों में स्थापित शिवालयों को भव्य ढंग से सजाया गया है। सुबह के समय मंदिरों में पूजा करने के लिए श्रद्धालु की भीड़ उमड़ी। मंदिर में दो गज की दूरी और मास्क के नियम को लेकर व्यवस्था बनाने के लिए कोतवाल मेजा अरुण कुमार चतुर्वेदी पुलिस प्रशासन बल के साथ डटे रहे।नगर पंचायत सिरसा स्थित श्री श्रीनाथ शिव मंदिर में सुबह से ही भक्तों का तांता लगना शुरू हो गया था। गंगा फेरी घाट पर सनन करने के बाद शिवभक्तों ने सुबह से ही जलाभिषेक करने के लिए पहुंचे। इस मंदिर की काफी मान्यता है,

जसरा के शिवालयों में उमड़ी भक्तों की भीड़

अखंड भारत संदेश

जसरा/प्रयागराज। जसरा में श्रावण मास के पावन महीने की शुरुआत के साथ पहले सोमवार के महत्व को देखते हुए शिव मंदिरों में शिवभक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। क्षेत्र का वातावरण भगवान शिव के जयकारे से शिवमय हो गया। श्रावण का महीना भगवान आदि देव महादेव भगवान भूत भावन श्री शंकर जी को समर्पित रहता है। इस माह में सोमवार का बहुत अधिक महत्व होता है। भगवान शिव का दिन सोमवार ही हुआ करता है। इस दिन भगवान शिव की पूजा का विशेष महत्व है। सोमवार को एक और जहां सुबह से ही भोलेनाथ के मंदिर में भक्तों का तांता लगा रहा,वहीं कुंवारी लड़कियों ने भगवान शिव का व्रत रखकर अपने लिए योग्य वर प्राप्त करने की प्रार्थना की। सोमवार को सुबह से ही जसरा के कैलाश धाम मंदिर,काशी विश्वनाथ मंदिर जसरा, काशी विश्वनाथ मंदिर तातारगंज आदि जगहों में भक्त गणों ने पूजा अर्चना किया। आज से गृहस्थ लोग भोलेनाथ को प्रसनन करने के लिए गंगाजल, दूध, देसी घी ,पंच गब्य, इत्र, बेर ,तुलसी दल ,मंदार पुष्प, आदि अर्पित कर भोलेनाथ से अपने परिवार व इष्ट मित्रों की सुख समृद्धि की कामना के लिए रुद्राभिषेक की। इस अवसर पर भोलेनाथ के जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। इस अवसर पर जसरा में सुरेन्द्र कुमार उर्फ सोनू केसरवानी ने बताया कि श्री कैलाश धाम मंदिर दौना में सुबह से ही भक्तों का जलाभिषेक करने के लिए ताता लगा रहा।

जिलाधिकारी ने कोविड-19 की संभावित तीसरी लहर से निपटने हेतु सभी आवश्यक तैयारियां पहले से ही सुनिश्चित किये जाने के दिये निर्देश

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री की अध्यक्षता में सोमवार को संगम सभागार में कोविड-19 की संभावित तीसरी लहर से निपटने की तैयारियों के सम्बंध में बैठक आयोजित की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्साधिकारी सहित अन्य स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को कोविड-19 की संभावित तीसरी लहर से निपटने हेतु सभी आवश्यक तैयारियां पहले से ही सुनिश्चित किये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने सैम्पलिंग एवं टेस्टिंग के कार्यों में और तेजी लाये जाने तथा डोर-टू-डोर सर्वे करते हुए सैम्पलिंग की कार्रवाई में तेजी लाये जाने का निर्देश दिया है। जिलाधिकारी ने कांटैक्ट टेसिंग पर भी विशेष फोकस दिये जाने के निर्देश दिये है। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि मेडिकल किट की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित रहे। उन्होंने इम्फोर्समेंट को और प्रभावी ढंग से किये जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि कहीं पर भी ज्यादा भीड़-भाड़ न इकट्ठा होने पाये, जहां पर ज्यादा भीड़ इकट्ठा हो, वहां के सम्बंधित को नोटिस जारी किया जाये। जिलाधिकारी ने ग्रामीण क्षेत्रों में सैम्पलिंग एवं टेस्टिंग के कार्यों में और तेजी लाये जाने का निर्देश दिया है। सर्विलांश टीम को और प्रभावी ढंग से कार्य किये जाने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने अस्पतालों में आईसीयू बेड, वेंटिलेटर, आक्सीजन सहित अन्य सभी आवश्यक व्यवस्थायें चुस्त-दूरूस्त बनाये रखने का निर्देश दिया है। जिलाधिकारी ने गैस सिलेण्डर की पर्याप्त मात्रा में व्यवस्था सुनिश्चित किये जाने के लिए निर्देशित किया है। उन्होंने अस्पतालों में बच्चों के लिए पैड्रियाटिक आईसीयू बेड की पर्याप्त संख्या में व्यवस्था सुनिश्चित किये जाने के लिए कहा है। जिलाधिकारी ने अस्पतालों में गैस पाईपलाइन सहित अन्य शेष बचे हुए कार्यों को शीघ्रता से पूर्ण किये जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने जनपद में बन रहे आक्सीजन प्लांटों के कार्यों को शीघ्रता से पूर्ण करते हुए उन्हें तत्काल संचालित कराये जाने के लिए कहा है। जिलाधिकारी ने कहा कि किसी भी संभावित थर्ड वेब से निपटने के लिए पहले से ही सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित कर ली जाये। उन्होंने कहा कि इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता स्वीकार्य नहीं होगी। जिलाधिकारी ने कोविड प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराये जाने के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि मास्क लगाने, सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने एवं सैनेटाइजेशन के कार्यों को कड़ाई से सुनिश्चित किया जाये। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी शीपू गिरी, मुख्य चिकित्साधिकारी, मेडिकल कालेज के प्राचार्य डॉ0 एस0पी0 सिंह सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

दिव्यांगजन/अतिसंवेदनशील नागरिक ''सुगम्य भारत ऐप'' क्राउडसोर्सिंग मोबाइल एपलीकेशन के माध्यम से दर्ज करा सकते है सुगम्यता विषयक शिकायत

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी नन्द किशोर याज्ञिक ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया है कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग, भारत सरकार द्वारा दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम-2016 की धारा-40-46 में उल्लिखित प्राविधानों को प्राप्त करने की दिशा में दिव्यांगजन को जन भागीदारी में सम्मिलित करते हुए सभी नागरिकों को सक्षम बनाने हेतु उन स्थानों, जहॉ पर उनकी पहॅुच सुगम्य नहीं है अथवा जहॉ मानक के अनुसार सुगम्यता उपलब्ध नहीं करायी जा रही है, से सम्बन्धित आने वाली शिकायतों के निस्तारण हेतु ''सुगम्य भारत ऐप'' क्राउडसोर्सिंग मोबाइल एपलीकेशन विकसित किया गया है। यह मोबाइल एपलीकेशन दिव्यांगजनों के साथ-साथ अतिसंवेदनशील नागरिकों जैसे-वरिष्ठ नागरिक, गर्भवती महिला, बच्चे, बीमार व्यक्ति, पोस्ट ट्रामा व्यक्ति इत्यादि से सम्बन्धित होगी। साथ ही वर्तमान में कोविड-19 महामारी से सम्बन्धित मामलें जैसे-स्वास्थ्य संस्थायें, केयर गिवर्स, आपूर्ति, चिकित्सा मामले भी इस मोबाईल ऐप में प्रावधानित हैं।

जनपद में उक्त श्रेणी के दिव्यांगजन/अतिसंवेदनशील नागरिक उक्त क्राउडसोर्सिंग मोबाइल एपलीकेशन को अपलोड कर अपनी भाषा में दिये गये निर्देशों का अनुपालन करते हुए सुगम्यता विषयक शिकायत दर्ज कर सकते हैं। प्राप्त शिकायतों का सम्बन्धित विभाग द्वारा निर्धारित समयावधि में निस्तारण किया जायेगा।

शशि यादव बनी बहरिया प्रधान संघ की अध्यक्ष

अखंड भारत संदेश

बहरिया। विकासखंड बहरिया के सभागार में सोमवार दोपहर में प्रधानों की एक सभा आयोजित की गई। इस सभा के माध्यम से सभी ग्राम प्रधानों ने सर्व समाप्ति से शशि यादव को क्योंकि वर्तमान में ग्राम सभा सिसई सिपाह की रहने वाली हैं।

अपने ब्लॉक के प्रधान संघ का अध्यक्ष सर्व संपत्ति से चुना इस कार्यक्रम में आए अनिल कुमार पटेल फोटो स्टूडियो बहरिया ने प्रधान संघ के अध्यक्ष चुने जाने पर शशि यादव को अपनी ओर से एवं जिला प्रधान संघ की ओर से बधाई दी।इस मौके पर संरक्षक शारदा प्रसाद यादव सहायक संरक्षक भुवर लाल यादव उपाध्यक्ष राकेश पटेल अजय मिश्रा राजकुमार यादव एडवोकेट नागेंद्र यादव महामंत्री धर्मराज मौर्य गुलाब पत्ती कोषाध्यक्ष पुष्पेंद्र तिवारी संगठन मंत्री विनोद सिंह पटेल एडवोकेट सुरेश पासी मालिक जुबेर अहमद प्रवक्ता अमित कुमार रामनरेश सचिव शान यादव मान सिंह यादव को आधे से अधिक नवनिर्वाचित प्रधानों ने एक स्वर में चुनाव इस मौके पर संत लाल यादव सुरेंद्र सीताराम यादव राम कैलाश प्रेमचंद यादव शांति देवी रामबाबू राधेश्याम यादव प्रेमचंद रमाशंकर मिश्रा आदि प्रधान मौजूद रहे।

पति भी बोला रीता मानसिक रूप से रहती थी परेशान सभी से करती थी झगड़ा

घूरपुर। इरादतगंज के ओवर ब्रिज के नीचे रेलवे ट्रैक पर रविवार की शाम बच्ची समेत आत्महत्या करने वाली रीता जायसवाल के पतिं पिंटू जायसवाल से घूरपुर पुलिस ने सोमवार के दिन मामले में पूछताछ किया तो उसने बताया कि रीता विगत कई माह पूर्व से मानसिक रूप से परेशान थी।

इसी वज़ह से वह हर किसी से लड़ झगड़ जाती थी। और भूत प्रेत के चक्कर को लेकर झाड़ फूक भी कराती थी। मानसिक रूप से पीडि.त होने से बच्चों सहित ट्रेन के आगे कूद आत्महत्या कर ली। मायके पक्ष भी थाने पहुंच कोई आरोप ना लगाते हुए मानसिक रूप से पीडि.त होने की ही बात कही। बता दें कि चाका नैनी निवासी पिंटू जायसवाल की 28 वर्षीय पतनी रीता जायसवाल ने अपने बेटा हर्ष 12 वर्ष व बेटी कोमल 8 वर्ष के साथ घूरपुर के इरादतगंज ओवर ब्रिज के नीचे मुंबई रेलवे ट्रैक पर पहुंच शहर से रीवा की तरफ जा रही ट्रेन के आते ही अपने दोनो बच्चों के साथ ट्रेन के आगे छलांग लगा दी। जिससे मां और बेटी की मौत हो गई थी और बेटा हर्ष मां के हाथ से छुट भाग अपनी जान बचा लिया था। इस हृदय विदारक घटना देख सभी अंचभित रह गए। घटना स्थल पर पहुंची मृतका रीता की बहन रूपा ने भी घटना के दिन ही बीमार होने की बात कही थी लेकिन हर कोई सहित पुलिस को भी उसके बात पर विश्वास नहीं हो रहा था। जिस पर सभी को रीता के पति का इंतजार था।

हर्ष मम्मी को बचाने के लिए भी किया था शोर::

परिजनो ने बताया कि हर्ष ट्रेन से बचने के लिए भागते समय मम्मी भागो भागो चिल्ला कर अपने मम्मी और बहन को बचाने का प्रयास भी किया था। और मेरी मम्मी बहन को बचाओ बचाओ का शोर भी किया था।लेकिन उसे क्या पता था कि मम्मी का पूर्व में ही सुनियोजित आत्महत्या करने का प्लान था।

ा के दूसरे दिन भी हर्ष दिखा बदहवास

मौत के मुंह से बच निकले मासूम हर्ष मां और अपनी छोटी बहन को ट्रेन से कटते अपने आंखो से देखने की वज़ह घटना के दूसरे दिन भी बदहवास दिखा। उसकी आंखे मानो पथरा सी गई हो। वह किसी को देखता है तो देखता ही रह जाता है। घटना से डरे सहमे हर्ष को परिवार का हर कोई बहलाने का प्रयास करता है। लेकिन वह इतना डर गया है कि भूल नहीं पाता है। रह रह कर मम्मी मम्मी कहकर चीख पड़ता है। फिलहाल अभी हर्ष को काफ़ी वक्त लग सकता है उसे सामान्य की स्थिति मे आने की।

श्रावण मास आते ही हर घर व मंदिर में शिव आराधना शुरू

अखंड भारत संदेश

सहसों। श्रावण मास के शुरू होते ही हर घर में हर व्यक्ति शिव की आराधना उपासना जप मंत्र के साथ शुरू कर शिव के प्रति आस्था के साथ पूजन में लीन होकर शिव की आराधना शुरू कर दिए हैं। शास्त्रों, पुराणों एवं संत महात्माओं गुरुजनों के अनुसार ऐसी मान्यता है कि भगवान भोलेनाथ को प्रसनन करने के लिए श्रावण मास में भक्त लोग उनका अनेक प्रकार से मंदिरों एवं घरों में पूजन अभिषेक करते है। भगवान भोलेनाथ जल्दी प्रसनन होने वाले देव हैं,वह प्रसनन होकर भक्तों की इच्छा पूर्ण करते हैं। इस प्रकार शिव जी को एक बिल्वपत्र चढ़ाने मात्र से ही तीन जन्मों के पाप नष्ट हो जाते हैं। इसी प्रकार क्षेत्र के गुलालपुर स्थित बुढेश्वर महादेव मंदिर में पूजन अर्चन अभिषेक के दौरान पंडित दिनेश शास्त्री ने बताया कि जो भी भक्त इस श्रावण मास में पूरे महीने भगवान शिव की सच्ची श्रद्धा भक्ति से भगवान भोलेनाथ का अभिषेक जप मंत्र इत्यादि विधि विधान से करता है वह भक्ति भगवान शिव की कृपा पात्र होता है। भगवान शिव प्रसनन होकर उस भक्तों की मनोरथ को पूरा करते हैं। उन्होंने बताया कि ऐसे में महिलाएं श्रवण मास से सोलह सोमवार का व्रत धारण करती हैं।

बेहतर समन्वय स्थापित कर फरियादियों को दिलाएं न्याय -एडीएम

अखण्ड भारत सन्देश

सिरसा/मेजा,प्रयागराज। मेजा तहसील में वादकारियों को न्याय दिलाने हेतु मेजा बार - बेंच की एक समन्वय बैठक बार के उपाध्यक्ष शिवाकांत पांडेय की अध्यक्षता में हुई। जिसमें बार एसोसिएशन मेजा के अध्यक्ष उमाकांत मिश्र ने अधिवक्ताओ के विभिनन समस्याओं को उप जिलाधिकारी मेजा रेनू सिंह के सामने रखा।अध्यक्ष ने कहा गैर विवादित मामले का शीघ्र निस्तारण हो तथा अधिवक्ताओ का हित सुरक्षित रहे।उन्होंने अधिवक्ताओ व वादकारियों की विभिनन समस्याओं को अवगत कराते हुए नियमित न्यायालय चलाने की माँग की।इस दौरान बार के वरिष्ठ व कनिष्ठ अधिवक्ताओ ने अपने-अपने विचारों को उपजिलाधिकारी के सामने रखा। उपजिलाधिकारी रेनू सिंह ने कहा बार - बेंच एक सिक्के के दो पहलू है।एक दूसरे के बिना दोनों शून्य है और परिवार का सदस्य भी बताया।बार - बेंच के बेहतर तालमेल से ही फरियादियों को न्याय दिलाया जा सकता है।उन्होंने अधिवक्ताओ को नियमित न्यायालय चलाने का आश्वासन दिया।बार व बेंच में तालमेल बनाने की बात कही।इस यसडीएम ने कहा की वादकारियों को न्याय दिलाने में अधिवक्ताओं का अहम रोल होता है।कोर्ट को सुचारू रूप से चलाने के लिए अधिवक्ताओं का सहयोग जरूरी होता है। बैठक में तहसीलदार विशाल शर्मा,रजिस्ट्रार कानूनगो गणेश त्रिपाठी, ,कमलेश मिश्र,हरिशंकर मिश्र, आनंद पांडेय,ओंकार नाथ मिश्र, दुर्गेश तिवारी, वृष्णकांत त्रिपाठी,राजीव शुक्ल, देवानंद पटेल,अनिल यादव,ओंकारनाथ पाल सहित वरिष्ठ व कनिष्ठ अधिवक्ता व न्यायिक कर्मचारीगण आदि लोग मौजूद रहे।

कांग्रेश प्रदेश महासचिव जितेंद्र तिवारी ने प्रदेश सरकार के खिलाफ निकाली भड़ास

अखंड भारत संदेश

भीरपुर / करछना। विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस जनों की एक आवश्यक बैठक ब्लाक अध्यक्ष करछना निरिया गांव निवासी अजीत यादव के आवास पर रविवार को संपनन हुई। जिसमें पार्टी के संगठनात्मक कई बिंदुओं पर आपस में विचार विमर्श किया गया । साथ ही साथ आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी पर संगठन की मजबूती पर बल दिया गया। बैठक में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे कांग्रेस के प्रदेश महासचिव जितेंद्र तिवारी ने कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए कहा कि कार्यकर्ता पार्टी की रीढ़ होते हैं । उन्होंने संगठन की मजबूती पर बल देते हुए कार्यकर्ताओं से आगामी विधानसभा के चुनाव में अभी से जुट जाने की अपील भी की।

उन्होंने अपने उद्बोधन में प्रदेश सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि इस सरकार में चारों तरफ हाहाकार मचा हुआ है। बिजली पानी की समस्या से किसान लोग जूझ रहे हैं। वही लोग भीषण महंगाई की चपेट में है । विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे मेजा विधानसभा क्षेत्र के नमस्ते यादव ने कहा कि लोग डीजल पेट्रोल की बढ़ती रोज की कीमतों से त्रस्त हैं। कार्यक्रम के आयोजक व संयोजक रहे ब्लॉक अध्यक्ष करछना अजीत यादव ने सभी लोगों के प्रति आभार जताया। इस मौके पर जमुनापार सचिव बड़कऊ यादव कृष्ण मोहन यादव हिमांशु यादव पप्पू कुशवाहा शुभम तिवारी विपिन तिवारी कृष्णा पांडेय ओम प्रकाश द्विवेदी अमित तिवारी अरुण कुशवाहा राकेश यादव माधवेंद्र प्रताप यादव आदि कांग्रेसी जन मौजूद रहे।

पत्नी को मैसेज भेज कर कारोबारी ने खुद को गोली से उड़ाया

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। चौक के ठठेरी बाजार में रहने वाले बर्तन कारोबारी आशीष कुमार केशरवानी (45) ने घर के भीतर खुद को गोली से उड़ा लिया। गोली चलने की आवाज सुनकर घरवाले पहुंचे तो वह बाथरूम में मृत पड़ा मिला। उसने यह कदम क्यों उठाया, यह देर रात तक स्पष्ट नहीं हो सका था। लेकिन घरवालों से पूछताछ के बाद पुलिस का कहना है कि वह व्यापार को लेकर परेशान था।

फिलहाल शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। उधर मृतक के घर में कोहराम मचा हुआ है। आत्महत्या करने के कुछ देर पहले उसने पतनी को व्हाट्सएप पर मैसेज भेजकर बच्चों का ख्याल रखने के लिए कहा और भाई बहनों को मैसेज भेजकर माता-पिता का ध्यान रखने की भी बात कही थी।

ठठेरी बाजार में रहने वाले ताराचंद केशरवानी घर में ही सौरभ स्टेनलेस स्टील पैलेस नाम से बर्तन की दुकान चलाते हैं। यहां उनका इकलौता बेटा आशीष भी बैठता था।

परिवार में माता-पिता के अलावा उसकी पतनी और दो बच्चे हैं। आशीष के पास लाइसेंसी रिवॉल्वर भी है। पुलिस के मुताबिक, घरवालों ने बताया कि रोज की तरह ही सोमवार को भी आशीष पिता के साथ दुकान पर था। करीब 4.30 बजे वह घर के भीतर गया और बिना कुछ बताए ऊपरी तल पर स्थित कमरे में चला गया। इस दौरान उसकी पतनी नीचे बेटे को पढ़ा रही थी, जबकि मां अपने काम में व्यस्त थीं। अचानक गोली चलने की आवाज सुनकर पतनी व मां भागकर ऊपर पहुंची तो वहां का नजारा देखकर उनकी चीख निकल गई। आशीष खून से लथपथ हालत में बाथरूम में पड़ा था और पास ही उसकी लाइसेंसी रिवॉल्वर पड़ी थी। शोरगुल सुनकर पिता व आसपास के लोग भी पहुंच गए जिसके बाद उसे एसआरएन ले जाया गया। लेकिन वहां पहुंचने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने परिजनों से पूछताछ के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इंस्पेक्टर नरेंद्र प्रसाद ने बताया कि व्यापारी ने ऐसा कदम क्यों उठाया, इस बारे में घरवाले भी कुछ स्पष्ट बता नहीं पाए। लेकिन यह बात सामने आई है कि वह व्यापार को लेकर परेशान थे। फिलहाल शव मर्चरी भेजवा दिया गया है। जांच पड़ताल की जा रही है।

अंखड भारत संदेश के लिए स्वामी श्री योगी सत्यम क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान झूंसी, प्रयागराज 211019 से प्रकाशित एवं रामा प्रिंटिग प्रेस 53/25/1ए बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

मुद्रक/प्रकाशक

स्वामी श्री योगी सत्यम पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा। आरएनआई नं.

UPHIN 2001/9025

करछना के बरदहा में गिट्टी बालू के कारोबारी की गोली मार कर हत्या

अखंड भारत संदेस

करछना। थाना क्षेत्र के बरदहा में गिट्टी बालू का व्यवसाय करने वाले को कुछ अज्ञात लोगों के सीने पर सटा कर असलहे से गोली मार दी, जिसको शहर अस्पताल ले जाते समय रास्ते में मृत्यु हो गयी, जिसको लेकर गांव में तनाव की स्थिति बनी हुई । जानकारी के अनुसार करछना थाना क्षेत्र के बरदहा गांव के महोरी गांव मार्ग पर नहर की पटरी से सटे राम राज सोनी 45 का मकान है, शाम आठ बजे रामराज अपने घर के दरवाजे पर

कुछ मित्रों से बातचीत कर रहा था ।जैसे ही उसके मित्र बात चीत करके चले गये, उसी दरम्यान कुछ अज्ञात लोगों ने उसके दरवाजे पर चढ़ कर उसके सीने में गोली मार कर फरार हो गयें, घायल अवस्था में उसे आनन फानन में शहर अस्पताल लेकर भागे लेकर शहर पहुचते उसकी मौत हो गई ।घटना को लेकर रात को गांव में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है, बताया जा रहा है कि पिछले साल कुछ लोग उसके सीने पर असलहा लगा कर मारने की धमकी दी गई थी, सूत्रों के हवाले बताया गया कि उसके कारोबार से पडोसी एक व्यवसायी से पहले से अदावत चली आ रही थी, हालाकि पुलिस घटना के कयी एंगल पर जांच करने में जुटी हुई है ।

कोर्ट के आदेश के बावजूद 3 वर्ष से भरण-पोषण का खर्च नहीं दे रहा पति, मुख्यमंत्री से लगाई न्याय की गुहार

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। धूमनगंज थाना अंतर्गत राजरूपपुर निवासी कमलेश वर्मा पुत्री देवी वर्मा का आरोप है कि वर्ष 2003 में उसकी शादी प्रमोद कुमार बर्मा थाना कीडगंज में रीति रिवाज के साथ संपनन हुई थी किंतु दहेज को लेकर विवाहिता को ससुराल पक्ष वाले प्रताडि.त करने लगे आए दिन पति व उसके घर वाले मारपीट करते थे दहेज को लेकर बेबी वर्मा को उसके दो बच्चों को घर से निकाल दिया गया पिछले 15 वर्षों से अपने पिता के घर रहकर बच्चों का परवरिश कर रही है महिला का आरोप है कि माननीय उच्च न्यायालय हाई कोर्ट द्वारा तलाक नहीं हुआ है न्यायालय द्वारा

आदेश दिया गया कि महिला व उसके बच्चों का भरण पोषण हेतु सहायता राशि पिछले 3 वर्षों से पति प्रमोद व उसके घर वाले नहीं दे रहे हैं जबकि माननीय न्यायालय का आदेश वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रयागराज को दिया गया वहीं पुलिस आदेश का पालन नहीं करा पा रही है महिला को न्याय नहीं दिला पा रही है महिला बार-बार पुलिस से मदद मांग रही है इस संबंध में कई बार उच्च अधिकारियों तक भी बात पहुंचाई गई किंतु पति व उसका परिवार पूरी तरह सांठगांठ कर लेता है महिला तमाम प्रकार का आरोप लगा रही है कि उसके पिता व उसकी जान के दुश्मन बन गए हैं ससुराल वाले वही उसकी संपत्ति जो ससुर वह सभासद साठगांठ से किसी दूसरे पक्ष को बैनामा कर दिया किंतु कागजी कार्रवाई में महिला अपना बता रही है महिला उसका परिवार परेशान है इधर-उधर न्याय के लिए भटक रही है प्रकरण को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से गुहार लगा रही है

अफसोसः गंगा मइ्या की आरती कर, अफसोस जताया मां गंगा पर !

नैनी। बसपा के राष्ट्रीय महासचिव सतीश चंद्र मिश्र ने सोमवार को प्रयागराज के पावन पवित्र संगम नगरी की धरती पर पहुंचे और उन्होंने गंगा की दुर्दशा पर अफसोस जताया। नैनी कोतवाली क्षेत्र से संबंधित अरैल में जयश्री महाकाल सेवा ट्र्स्ट द्वारा आयेजित गंगा आरती में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद लोगों को संबोधित कर रहे थे।

इतना ही नहीं ब्राह्मण कार्ड खेलने से भी बाज नहीं आए और उन्होंने आगे कहा कि ब्राह्मण और गंगा दोनों खतरे में हैं। हजारों करोड़ रुपये गंगा के नाम पर खर्च करने वाली सरकार किस मुंह से गंगा की बात करती है । बहुजन समाज पार्टी की सरकार में ब्राह्मण और गंगा दोनों के कल्याण का काम हुआ है। वैदिक ब्राह्मणों के द्वारा उनका मंत्रोच्चार कर स्वागत किया गया।

सामूहिक दुराचार के आरोपी की जमानत मंजूर, हाईकोर्ट ने रिहाई का दिया निर्देश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सामूहिक दुराचार के आरोपी की सशर्त जमानत मंजूर कर ली है और व्यक्तिगत मुचलके व दो प्रतिभूतियों पर रिहा करने का निर्देश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति अजीत सिंह ने दीपक पाल की अर्जी को स्वीकार करते हुए दिया है। पीडि.ता ने प्रयागराज के नैनी थाने में एफआईआर दर्ज कराकर प्लॉट दिखाने के बहाने स्कापियो गाड़ी में याची सहित तीन लोगों पर दुराचार करने और किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है।

आरोपी याची का कहना था कि 14 अक्टूबर 20 की घटना की 28 अक्टूबर 20 को देरी से एफआईआर दर्ज कराई गई है। पीडि.ता तीस साल की पढ़ी लिखी महिला है। उसके पति रेलवे में नौकरी करते हैं। याची से पहले से संबंध है। उसने याची से बिना पैसा दिए प्लॉट लिया है, दूसरा प्लॉट मांगा। याची के मना करने पर झूठे आरोप लगा कर फंसाया गया है। मेडिकल जांच रिपोर्ट में जबरन रेप के निशान नहीं मिले हैं। याची एक नवंबर 20 से जेल में बंद है।

राजकीय मेडिकल कालेज का नाम बदलने पर शहर मे निकला विरोध मार्च

मेडिकल कालेज का नाम सोनेलाल जोड़ने पर आक्रोशित है लोग

चैक में हुई सभा में सरदार बल्लभ भाई पटेल के नाम पर करने की उठी मांग

प्रतापगढ़। प्रतापगढ़ में नवनिर्मित राजकीय मेडिकल कालेज का नामकरण सोनेलाल पटेल के नाम होने के विरोध बेल्हा नागरिक स्वाभिमान संघर्ष मोर्चा बैनर तले नगर में विरोध मार्च निकाला गया। इस विरोध मार्च में तमाम छात्र नौजवान, अधिवक्ता, व्यापारी, शिक्षक अन्य वर्ग के लोग शामिल हुए। संघर्ष मोर्चा ने शासन से मांग की सोने लाल पटेल का नाम हटाकर सरदार बल्लभ भाई पटेल के नाम करने की मांग उठायी।

सोमवार को दिन में 11 बजे कम्पनी बाग में तमाम लोग इकट्ठा हुए लगभग 12 बजे वहां से विरोध मार्च निकला। लोग नारा लगा रहे थे जातिवादी मानसिकता का फैसला वापस लो। प्रतापगढ़ के

विभूतियो व देश के लाडलो का सम्मान हो। यह विरोध मार्च कम्पनी बाग से शुरू होकर चैक घंटाघर तक आया जहां एक सभा हुई सभा में सभी लोगो ने एक स्वर से मांग की। लौह पुरूष सरदार बल्लभ भाई पटेल का नाम हम सब को मंजूर है। लेकिन जिस व्यक्ति का सांस्कृतिक, आध्यात्मिक व अन्य किसी क्षेत्र मे योगदान नहीं है। उसका केवल राजनीतिक लाभ लेने के लिए किया गया यह परिवर्तन बेल्हा की जनता को स्वीकार नहीं है।

सभा में सर्वसम्मत से यह भी निणर्य हुआ कि जब तक सरकार यह नामकरण वापस नहीं लेती तब तक चरणबद्ध तरीके से आंदोलन चलाया जाएगा। जिसमें समाज के सभी वर्गो का समर्थन लेने का प्रयास किया जाएगा। विरोध मार्च में शामिल लोगो ने पुलिस लाइन स्थित सरदार पटेल के मूर्ति पर माल्यार्पण भी किया। इस अवसर पर अभिषेक तिवारी, प्रदीप शुक्ला, अच्युतानंद पाण्डेय, अनिल पाण्डेय, विवेक त्रिपाठी, शिवाकांत पाण्डेय, पार्थ द्विवेदी, धनराज सिंह, हरीश शुक्ला, रमाशंकर तिवारी, अखिलेश मिश्रा, संजय शुक्ला, आचार्य आलोक मिश्रा, रमेश राजदार, अनुपम श्रीवास्तव, शैलेन्द्र यादव, मो. आसिफ राईन, जावेद अहमद, राजन सिंह, अभिषेक दूबे, शैलेन्द्र मिश्रा, अच्छे त्रिपाठी, ऋषभ शुक्ला, साकेत पांडेय, आशीष शुक्ला, राधे रोहन, अंकित सरोज, अंकित पहलवान, अमित सिंह, धनंजय सिंह, गुड्डू पठान, विवेक, मनीष दूबे, पंकज मिश्र, विनय मिश्र, हरिकेश, कमलेश, केडी मिश्रा, राजा शुक्ला, राहुल सरोज, विजय वर्मा, अर्पित खण्डेलवाल, कुलदीप सिंह, मुर्तजा जाफरी, पुनीत, मनोज सिंह, नीरज मिश्रा, रंजय शुक्ला, आलोक तिवारी, पुनीत विश्वकर्मा, सुनील शर्मा आदि सैकड़ो की संख्या में लोगो ने सहभागिता की। विरोध मार्च का समर्थन करते हुए प्रसपा जिलाध्यक्ष अबरार जहानियां ने भी इस विरोध रैली का समर्थन करते हुए संघर्ष में शामिल होने की सहर्ष घोषणा की।

सदर विधायक ने नामकरण का किया समर्थन

प्रतापगढ़। सदर विधायक राजकुमार पाल ने नवनिर्मित राजकीय मेडिकल कालेज का नाम अपना दल के संस्थापक सोनेलाल पटेल के नाम करने का समर्थन करते हुए उन्होने कहा कि सरकार ने दूरदर्शिता का परिचय दिया है। किन्तु पूर्व विधायक बृजेश सौरभ द्वारा इसका विरोध करना दुर्भाग्य पूर्ण है।

मदाफरपुर टाइनी शाखा संचालक से तीसरी बार किया गया लूट का प्रयास, असफल होने पर की गई फायरिंग

पट्टी प्रतापगढ़। कोंहडौर थाना क्षेत्र के निनवट अतरसंड निवासी मोहम्मद इब्राहिम पुत्र सैयद असलम मदाफरपुर बाजार में एक टइनी शाखा संचालक है वह कई सालों से मदाफरपुर बाजार में अपनी शाखा चलाता है घटना दिनांक 26-07-2021 दिन में लगभग 2:30 बजे की है जब पैसे के लेनदेन के लिए अपनी बाइक ई-25 से वह चिलबिला स्टेट बैंक में गया हुआ था वहां से 2 लाख रुपए लेकर लौटते समय तीन नकाबपोश बदमाशों ने पल्सर 220 से उसका पीछा करते-करते जैसे ही अतरसंड नहर की पुलिया के पास पहुंचा ही था कि इब्राहिम को एहसास हो गया कि यह लोग बदमाश हैं और उसने गाड़ी को तुरंत यू-टर्न ले लिया जैसे ही उसने यू-टर्न लिया पल्सर सवार बदमाशों में से एक ने असलहे से इब्राहिम के ऊपर 2 राउंड फायरिंग भी किया लेकिन इब्राहिम की किस्मत अच्छी थी कि वह बाल-बाल बच गया और उसने तुरंत बाइक को घुमा कर पास में ही गुमटी की दुकान पर जाकर खड़ा कर दिया वहां पर मौजूद लोगों की वजह से और इब्राहिम की सूझबूझ से लूट होते होते बच गई और इब्राहिम की जान भी बची हालांकि बदमाश लूट में असफल होने के कारण फायरिंग करते हुए निकल गए। इब्राहिम के साथ यह लूट का तीसरा प्रयास था एक बार तो बदमाशों ने इब्राहिम के पिता सैयद असलम से भी लूट किए थे टोटल चार बार इनके साथ लूट का प्रयास किया जा चुका है ऐसे में कोई शाखा संचालक पैसे का लेनदेन कैसे कर पाएगा जब वह सुरक्षित ही नहीं है आए दिन बदमाश टइनी शाखा संचालक से लूट की घटनाओं को अंजाम दे रहे।

बोलेरो की टक्कर से मोटर साइकिल सवार चालक घायल

प्रतापगढ़ जेठवारा। जेठवारा के कानपुर चैराहे पर इलाहाबाद की तरफ से बोलेरो आ कटरा गुलाब सिंह की तरफ जैसे कानपुर तिराहा पर पहुंचे बोलेरो मोटरसाइकिल में भिड़ंत हो गई। मोटर साइकिल सवार प्रेम चन्द्र 60 वर्ष निवासी गंभीरा का बाया पैर कट गया। उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।

भयहरणनाथ धाम मे चुस्त दुरुस्त व्यवस्था के बीच हुआ शिव भक्तों का जलाभिषेक

परम्परागत मंगलवार मेला के कारण आज होगी भीड

प्रतापगढ़/ कटरा गुलाब सिंह। आज जनपद में सोमवार पर मंदिरो में अच्छी खासी भीड़ देखने को मिली। आज सावन का पहला सोमवार था सुबह से ही लोग भगवान शिव का जलाभिषेक करने के लिए मंदिरो में लाईन लगाए देखे गए। महिलाओ व बच्चो ने भी भोलेनाथ का दर्शन किया। प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरणनाथ धाम मे सावन के प्रथम सोमवार को पुलिस व कार्यकर्तांओ की उत्तम व चुस्त दुरुस्त व्यवस्था रही । वही कल परम्परागत मंगलवार मेले के कारण 27 जुलाई को धाम मे भक्तों का बड़ी संख्या मे आगमन की संभवना है। ऐसे मे व्यवस्थाओ के मद्देंजर पुलिस व कार्यकर्ताओ ने अपनी तैयारी व रणनीती तय कर ली है। आज सुबह 4 बजे से ही धाम परिसर मे शिव भक्तों का आवागमन शुरू हो गया। सुबह से ही कार्यकर्ता व पुलिस के जवान अपनी जिम्मेदारी मुख्य मंदिर सहित धाम के बिभिनन्न स्थलो पर निभात रहे । उप जिलाधिकारी सदर एम एल गुप्त व क्षेत्राधिकारी सदर तनु उपाध्याय के मार्गदर्शन मे थानाध्यक्ष जेठवारा रवींद्र त्रिपाठी की उपस्थिति मे चैकी इंचार्ज राज्याभिषेक मिश्र द्वारा पर्याप्त पुलिस जवान व महिला सिपाहियों द्वारा बेहतरीन सुव्यवस्था की गई। मुख्य मंदिर मे पुजारी भोला नाथ सहित सभी मंदिरो के पुजारी व कर्मचारी गण सावधानी बरतते हुए अपनी सेवाये दी जा रही है। वहीं मेला क्षेत्र मे कोषाध्यक्ष लाल जी सिंह के मार्ग दर्शन मे धोनू सिंह , शैलू जायसवाल व गंगा पांडेय , रामू तिवारी ने अपनी भूमिका निभाई। साथ ही संरक्षक गण लालता प्रसाद मिश्र , देवी प्रसाद मिश्र व अशोक मिश्र व प्रबंध समिति के पदाधिकारियो ने सभी व्यवस्था मे सहयोग करते हुए मार्गदर्शन किया। . धाम की प्रबंध समिति के महासचिव समाज शेखर ने सभी प्रमुख कार्यकर्ताओ से अपेक्षा की है कि कोरोना के मद्देनजर नियमो का पालन करते हुए सोमवार मंगलवार को अपनी सेवाये दें जिससे धाम मे किसी को असुविधा न हो . चूंकि धाम में प्रत्येक मंगलवार को परम्परागत मेला लगता रहा है इसलिये आदतन भीड़ होने की आशंका है। उन्होने कार्यकर्ताओ को मास्क लगा कर ही अपनी जिम्मेदारी निभाने तथा सोसल डिस्टनसिंग का पालन करने आग्रह किया है।

कोटेदार से गाली गलौज, अभद्रता व रंगदारी मांगने पर पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

प्रतापगढ़ परियावां। नवाबगज थाना क्षेत्र के आलापुर निवासी यस सोनकर (बाबरा) पुत्र विजय कुमार सोनकर के खिलाफ नवाबगज पुलिस ने थाना क्षेत्र के आलापुर इब्राहिमपुर के कोटेदार गुलरहीबाग निवासी अनारकली पतने अनन्तराम सरोज से पांच दिन पूर्व गुरुवार को राशन वितरण के दौरान अपने को लोकल चैनल का पत्रकार बताते हुए कोटेदार से राशन वितरण की शिकायत मिलने पर कहा सुनी के दौरान गाली गलौज अभद्रता किया और चैनल पर खबर न चलाने के लिए पांच हजार रुपये की रंगदारी मांगी जिस पर कोटेदार ने देने से इनकार किया तो मारपीट की नौबत आ गई।

सैनिको के कुर्बानी को कभी नहीं भूलाया जा सकता

आईटीआई परिसर में कारगिल शहीद विजय शुक्ला की मनी 22वीं शहादत दिवस

प्रतापगढ़। जनपद के पिथीपुर निवासी कारगिल शहीद लांस नायक विजय शुक्ला की 22 वीं शहादत दिवस आई0टी0आई0परिसर में स्थित विजय पार्क में मनाया गया। आई0टी0आई0 परिसर में स्थिति विजय पार्क वंदे मातरम और भारत माता की जय के नारों से गूंज उठा। उपस्थित लोगों ने शहीद समस्त सैनिकों को भी देश का सच्चा सपूत बताया और कहा कि सैनिकों की कुर्बानी को देशवासी कभी भूल नहीं पाएंगे विजय पार्क में जूनियर बार एसोसिएशन पुरातन के निवर्तमान महामंत्री जय प्रकाश मिश्र जेपी, जूनियर बार के पूर्व अध्यक्ष रोहित शुक्ला जी, जूनियर बार के निवर्तमान अध्यक्ष अयोध्या प्रसाद मिश्रा, जूनियर बार के अध्यक्ष मान सिंह, रूलर्स बार के प्रदेश अध्यक्ष मुक्कू ओझा, परशुराम सेना के अध्यक्ष के प्रदीप शुक्ला, शिवगढ़ ब्लाक के पूर्व प्रमुख विवेक त्रिपाठी ने लांस नायक विजय शुक्ला जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके श्रद्धांजलि अर्पित की।

विजय दिवस के अवसर पर कवि सुनील प्रभाकर व प्रेम कुमार त्रिपाठी ने वीरगाथा का काव्य पाठ करके सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित किया। श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद कारगिल शहीद सैनिकों के स्मृति में वृक्षारोपण किया गया।

विजय दिवस के अवसर पर उपस्थित लोगों ने भारत के प्रधानमंत्री से मांग की कि प्रतापगढ़ जनपद प्रस्तावित मेडिकल कालेज का नामकरण लांस नायक विजय शुक्ला के नाम पर किया जाय।आज कार्यक्रम में विनय कुमार सिंह, संतोष नारायण मिश्रा, अनिल त्रिपाठी, पिंटू सिंह,वीरू ओझा, हरिओम सिंह, अनूप शुक्ला, प्रशांत दुबे, दीपेंद्र प्रताप सिंह, जितेंद्र सिंह, दिवाकर सिंह, अतेंद्र सिंह,अविनाश सिंह, प्रवीण चतुर्वेदी, सचिन्द्र सिंह, सद्दाम अली सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया। कार्यक्रम के आयोजक जूनियर बार एसोसिएशन के निवर्तमान महामंत्री जय प्रकाश मिश्रा जेपी ने सभी के प्रति आभार ज्ञापित किया।

सरकार बनने पर शहीद के परिवार को मिलेंगे एक करोड़

बाघराय। शहीद विजय शुक्ला अपने जनपद गांव में ही नहीं पूरे देश में कारगिल युद्ध में शहीद हो जाने पर अपना नाम अमर कर लिया है उन्हें कभी नहीं भुलाया जा सकता शासन-प्रशासन की उपेक्षा है आज तक इस स्थान का सौंदर्यीकरण नही हो सका सरकार बनने पर 10000000 रुपए शहीद के परिजनों को दिए जाएंगेयह बातें पीथीपुर गांव में शहीद विजय शुक्ला की 22वी पुण्यतिथि के मौके पर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए जनसत्ता दल लोकतांत्रिक सैनिक प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव नरेंद्र सिंह फौजी ने यह बातें कही उन्होंने कहा कि सरकारी आती है जाती है किंतु हर सरकार को शहीदों का सम्मान करना चाहिए आज सिथति यह है कि कोई भी अधिकारी शहीद के घर आने को तैयार नहीं है यह सोच बदलनी होगीअध्यक्षता प्रफुल्ल सिंह पूर्व प्रमुख ने की इस मौके पर केदारनाथ शुक्ला संजय शुक्ला संदीप बहेरी कप्तान बहेरी शिव शंकर शुक्ला अजय ब्लाक प्रमुख बिहार पति रामचंद्र सरोज एवं पूर्व प्रधान संजय सिंह राजू पांडे शंभू नाथ एवं प्रधान आदित्य मिश्रा पूर्व प्रधान राम सजीवन मिश्रा बिक्कूसिंह भूपेश शुक्ला अरविंद शुक्ला राकेश जायसवाल अमित पांडे बच्चा एवं चैकी प्रभारी दिनेश सिंह सौरभ पांडे आदि मौजूद रहे।

शहीदो के नाम पर नहीं बने मार्ग व स्कूलः प्रमोद

लालगंज प्रतापगढ़। केन्द्रीय कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सदस्य एवं यूपी आउटरीच एण्ड कोआर्डिनेशन कमेटी के प्रभारी प्रमोद तिवारी ने सोमवार को कारगिल विजय दिवस की स्मृति मे देश की रक्षा मे शहीद हुए जवानो को श्रद्धांजलि अर्पित की। सीडब्लूसी मेंबर प्रमोद तिवारी सांगीपुर के चिचिहरा गांव पहुंचे और यहां कारगिल शहीद स्व. शशिकांत शुक्ल की प्रतिमा पर स्वयं तथा क्षेत्रीय विधायक आराधना मिश्रा मोना की ओर से माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की। वहीं प्रमोद तिवारी ने कारगिल विजय पर शहीद शशिकांत की पतनी उर्मिला तथा अन्य पूर्व सैनिकों को भी सम्मानित किया। सीडब्लूसी मेंबर प्रमोद तिवारी ने विजय स्मृति दिवस पर यूपी सरकार को भी कडे अंदाज मे घेरेबंदी के बीच कहा कि तत्कालीन प्रदेश सरकार ने विधानसभा मे उनके आग्रह पर सभी शहीद स्थलो को शहीदो के घर से जोडने तथा विद्‌यालयो के नामकरण की घोषणा की थी।

किंतु अब वे सड़कें जो मण्डी परिषद या अन्य योजनाओं से शहीदो की स्मृति मे बनी थी उनकी मौजूदा सरकार देखभाल नही कर पा रही है। उन्होनें राज्य सरकार से कहा है कि वह मुख्यमार्ग से शहीदो के घर तक जाने वाली सड़को को लोक निर्माण विभाग ने स्थानांतरित कर इन्हें कम से कम सात मीटर चैड़ी बनाये। वहीं शहीद जवानो की स्मृति मे उनके गांवो मे एक विद्‌यालय खोलकर उसका नाम वीर शहीदों के नाम किया जाय। कारगिल युद्ध 1999 का जिक्र करते हुए प्रमोद तिवारी ने भाजपा की तत्कालीन सरकार की

घोर लापरवाही, खुफिया सूचना तंत्र की विफलता और लचर रक्षा एवं कमजोर विदेशनीति को जिम्मेदार भी ठहराया।

उन्होने कहा कि तत्कालीन केंद्र सरकार की लापरवाही से ही भारत के हजारो वर्ग मीटर भूमि पर कबाइलियों तथा आतंकियो तथा पाकिस्तान की सेना ने कब्जा कर लिया था। यहीं नही पाकिस्तान के नापाक दुस्साहस की कीमत देश को अपने मुकुट हिमालय की पवित्रता के रौंद उठने की हद तक चुकानी पड़ी थी। श्री तिवारी ने कहा कि भारतीय सेना संवेदनशील पहाड़ की उंचाइयों पर कब्जे को हटाने मे साढे पांच सौ से अधिक अपने वीर जवानो तथा अन्य की शहादत देनी पड़ी। वहीं चैदह सौ से अधिक जवान घायल हुये।

भारतीय सेना के शौर्य की सराहना करते हुए श्री तिवारी ने कहा कि जवानो ने अद्वितीय शहादत देकर भाजपा सरकार की भयंकर भूल को सुधारा और भारत माता का मुकुट वापस लाये थे। सीडब्लूसी मेंबर प्रमोद तिवारी ने कारगिल युद्ध को लेकर तत्कालीन रक्षा मंत्री जार्ज फर्नांडीज के संसद मे दिये गये बयान का जिक्र करते हुए कहा कि रक्षा मंत्री का यह बताना कि भारत देश के भूभाग पर दुश्मन के कब्जे की सूचना चरवाहे से मिली। बकौल प्रमोद तिवारी इससे बड़ी तत्कालीन भाजपा सरकार की असफलता का कच्चा चिटठा क्या हो सकता है। उन्होने कहा कि यूपी के भी वीर जवानो तथा सैनिको एवं रक्षा विशेषज्ञो ने भी यह साफ कहा था कि यदि बोफोर्स तोप न होती तो भारतीय सेना के और कई जवान शहीद हुए होते। श्री तिवारी ने कारगिल के वीर जवानो को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए लददाख मे चीन की सेना के द्वारा गलवान घाटी समेत अन्य हिस्सो मे देश के बीस जवानो की शहादत पर कब्जा करने की घटना को भी मोदी सरकार की कायरता और चीन के भय से आज भी भारतीय सेना के शौर्य तथा पराक्रम को रोके रखने का जिम्मेदार ठहराया है।

उन्होने स्पष्ट कहा कि तमाम वार्ताओं व घोषणाओं के बावजूद दुनिया के सारे सेटेलाइट हमारे भूभाग पर चीन की उपस्थिति दर्ज कराकर हमें लज्जित कर रहे है। यह भी राष्ट्रीय पराक्रम के लिए चिंतनीय है। श्री तिवारी ने वार्ता के दौरान उत्तर प्रदेश मे अभूतपूर्व बिजली संकट तथा घोषित व अघोषित विद्‌युत कटौती को लेकर भी राज्य सरकार की तल्ख आलोचना की। प्रमोद तिवारी ने सरकार से कहा है कि देश व प्रदेश मे पर्याप्त बिजली की उपलब्धता को देखते हुए खरीफ की फसल की रोपाई को देखते हुए सरकार हर कीमत पर चैबीस घण्टे विद्‌युत आपूर्ति सुनिश्चित करे। इसके पूर्व प्रमोद तिवारी ने सावन माह के प्रथम सोमवार को बाबा घुइसरनाथ धाम मे मत्था टेका। उन्होनें मंदिर प्रबंधन समिति से विशेष माह मे कोरोना प्रोटोकॉल के तहत प्रबन्धों व साफ-सफाई के भी विशेष प्रबन्धों कराए जाने को कहा। इस मौके पर प्रतिनिधि भगवती प्रसाद तिवारी, मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल, सांगीपुर प्रमुख अशोक सिंह बब्बू, लालगंज प्रमुख अमित प्रताप सिंह पंकज, जिपंस अरविंद सिंह, रिंकू सिंह परिहार, लल्लन सिंह, सुधाकर पाण्डेय, रामबोध शुक्ल, डा. अमिताभ शुक्ल आदि रहे।

परीक्षाफल पाकर बच्चो के चेहरे खिले

प्रतापगढ़। सरस्वती शिशु मंदिर चिलबिला में प्रथम मासिक परीक्षा की प्रगति विवरण पत्र वितरित किया गया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य दिग्विजय पाण्डेय ने बताया कि कोरोना काल में स्कूल बंद होने के कारण विगत 1 अप्रैल से लिखित कार्य को ऑनलाइन माध्यम से किया। जिसमें अभिभावको का सहयोग अच्छा मिला।

बच्चो ने प्रोजेक्ट वर्क पर्यावरणीय जागरूकता कलात्मक अभिरूचि व कोरोना से बचाव के लिए जागरण आदि के प्रोजेक्ट बनाये। प्रधानाचार्य ने यह भी बताया कि जिन बच्चो के पास एंड्रायड फोन नहीं है उनका दो दिन का काम घर पर पहुंचाकर वापस कार्य भेजने के लिए कहा गया। इसमें प्रीती सिंह, विभा शुक्ला, बृजेश तिवारी आदि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभायी विद्‌यालय न खुलने तक इस व्यवस्था को जारी रखने का फैसला किया गया है। परीक्षाफल पाकर बच्चो के चेहरे खिले।

गुमटी में चोरी करते समय सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई तस्वीर

तहरीर के बाद दबिश दे रही है पुलिस

पट्टी प्रतापगढ़। पट्टी नगर चमन चैक पर बीती रात चोरों ने एक गुमटी में चोरी किया लेकिन चोरी की वारदात किराने की दुकान के सामने लगे हुए सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई । दूसरे दिन गुमटी संचालक ने जब चोरी की सूचना मिली तक सीसीटीवी कैमरे को खंगालने पर चोरों की तस्वीरें पहचान होने के बाद आरोपियों की तलाश जारी है ।

पट्टी कोतवाली क्षेत्र के राजकुमार वर्मा पुत्र उदयराज निवासी रायपुर चमन चैक पट्टी में की गुमटी खोल रखी है जिससे वह रोजी रोटी चलाता है रविवार की रात भोर में करीब 3:00 बजे प्रियांशु गुप्ता माता मंजू गुप्ता रायपुर रोड निवासी अभिषेक गुप्ता पुत्र श्यामलाल निवासी कोठियार दुकान के सामने पहुंचे और दुकान का दरवाजा लोहे की रॉड से उठाकर उस में रखा हुआ ?2000 नगदी आधार कार्ड पैन कार्ड सिगरेट तथा अन्य सामान उठा ले गए सुबह जब दुकानदार गुमटी टूटी हुई देखा तो किराने की दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरा को खंगाला तो आरोपियों की पहचान हो गई पुलिस को तहरीर देने के बाद पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी ही जुटी हुई है आरोपी फरार हैं पुलिस लगातार दबिश दे रही है

जीवनदायनी स्वास्थ्य विभाग 108,102 एम्बुलेंस कर्मचारियों ने मांगों को लेकर किया विरोध प्रदर्शन

अखंड भारत संदेश

भदोही। गोपीगंज नगर में जीवनदायनी स्वास्थ्य विभाग 108,102 एम्बुलेंस कर्मचारियों का अपनी मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन करते हुए अपनी मांगों पर अड़े रहे। सोमवार को नगर के के राष्ट्रीय इंटर मीडिएट कालेज के ग्राउंड में दर्जनों की संख्या में एंबुलेंस चालकों द्वारा अपने एंबुलेंस वाहन को खड़ा कर विरोध प्रदर्शन किया गया।

जनपद भदोही के जिलाध्यक्ष रणजीत यादव ने कहा की जब तक हमारी मांगे नहीं मानी जाती तब तक यह चक्का जाम और विरोध प्रदर्शन चलता रहेगा। उन्होंने ने कहा की हमारा यह प्रदेश व्यापी आंदोलन है। हमने ज्ञानपुर के महाराजा चेतसिंह हॉस्पिटल पर तीन दिनों तक प्रदर्शन कर अपनी बातो को रखे परंतु हमारी एक भी बाते नही सुनी गई। मजबूरन हमे यह कदम

उठाना पड़ा। मांगों के संबंध में बताया की ए एल एस एंबुलेंस पर कार्यरत कर्मचारियों को कंपनी बदलने पर कर्मचारियों को न बदला जाए। अनुभवी कर्मचारियों को ही रखा जाए, कोरोना महामारी के दौरान अपने जीवन की परवाह न करते हुए हम चालकों ने अग्रणी भूमिका निभाया है।

कहां की कोरोना योद्धाओं कोरोनावरियर्स एंबुलेंस कर्मचारी को ठेकेदारी से मुक्ति दी जाए त् कोरोना काल में शहीद हुए आश्रितों के परिवार को जल्द बीमा राशि 500000 और सहायता राशि सरकार की तरफ से जारी हो। और कंपनी बदलने पर वेतन में किसी भी तरह की कटौती न की जाए।

सभी एंबुलेंस कर्मचारियों को जब तक नेशनल हेल्थ मिशन के अधीन नहीं किया जाता है, तब तक मिनिमम वेजेस तथा 4 घंटे की कोठी दिया जाए।

23000 के लगभग व प्रतिवर्ष महंगाई भत्ता भी दिया जाए। कर्मचारियों की सहानुभूति पूर्वक यथास्थिति नौकरी पर रखा जाए।

प्रशिक्षण शुल्क के नाम पर कर्मचारियों से डीडी न ली जाए। हम सभी कर्मचारी पूर्व कंपनी में सेवा दे रहे हैं और प्रशिक्षित कर्मचारी हैं। हमने पहले ही सरकार को आगाह किया था कि यदि संगठन के सभी मांगों को सरकार व कंपनी नहीं मानती है तो 23 जुलाई को धरने के लिए संगठन बाध्य होगा। जिसका जिम्मेदार सरकार को कंपनी होगी। विरोध प्रदर्शन में मुख्य रूप से कोमल यादव, कल्लू तिवारी, ज्ञानेंद्र, अश्वनी, सुरेंद्र, अरविंद, श्याम बिहारी आदि उपस्थित रहे। जिलाध्यक्ष ने बताया कि इमरजेंसी सेवा चालू रहेगी। जिसमें मात्र 3 गाड.ियों का संचालन किया जाएगा। बाकी समस्त गाड.ियों को तब तक रोक कर रखा जाएगा जब तक हमारी मांगे मान नहीं ली जाती हैं।

सावन के प्रथम सोमवार को शिवमय रहा नगर

अखंड भारत संदेश

गोपीगंज/भदोही। सावन के प्रथम सोमवार को नगर के प्राचीन बाबा बड़े शिव मंदिर पर शिव भक्तों का बोलबाला रहा। मंदिर का पूरा परिसर शिवमय रहा। भक्तों के हर हर बम बम के नारे से गुंजायमान रहा। श्रावण मास शुरू होते ही प्रथम सोमवार को नगर शिवमय हो गया। सुबह से ही बाबा भोलेनाथ के दर्शन और पूजन के लिए भक्तों की कतार लगी रही। भारी संख्या में महिलाओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक किया, वहीं पर कांवरियों द्वारा भी भगवान शिव को जल चढ़ाया गया। इसी तरह पौराणिक मंदिर बाबा तिलेश्वरनाथ पर भक्तों की कतार सुबह से लगी रही। जहां पर जलाभिषेक करने के लिए दूर-दूर के गांव से आए महिला पुरुष भक्तों का तांता लगा रहा।

पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों में मारपीट, इलाज के दौरान एक व्यक्ति की मृत्यु

अखंड भारत संदेश

भदोही। जिले के सुरियावां थाना अंतर्गत ग्राम सभा मधुपुर में पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों में रविवार को देर रात्रि जमकर मारपीट हुई। जिसमे 50 वर्षीय राजेंद्र गौतम को गंभीर रूप से घायल होने पर डॉक्टरों ने रेफर कर दिया, जहां रास्ते में ही मृत्यु हो गई।

उक्त गांव निवासी रमेश गौतम एवं राजेंद्र गौतम के बीच पुरानी रंजिश को लेकर कहासुनी हुई, देखते-देखते मारपीट में बदल गई। जिसमें दोनों पक्षों के तरफ से लाठी डंडा चला। जिसमें राजेंद्र गौतम गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तत्काल सुरियांवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। जहां पर डॉक्टरों ने रेफर कर दिया। घायल को ट्रामा सेंटर ले जा रहे थे, जहां रास्ते में ही मृत्यु हो गई। सूचना मिलने पर प्रभारी थाना अध्यक्ष अजय कुमार मिस्र मय फोर्स के साथ पहुंचकर घटनास्थल पर पहुंच कर जांच पड़ताल किया। क्षेत्राधिकारी प्रयांक जैन भी स्थल पर पहुंचकर मातहतों को दिशा निर्देश दिया। एहतियात के तौर पर गांव में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

मॉ सेवा संस्थान की ओर से धार्मिक स्थल कुशगढ शिवं मंदिर में चलाया स्वच्छता अभियान

करछना। तहसील क्षेत्र में स्थित देवा धिदेव महा देव धाम कुशगढ में सावन माह भर चलने वाले मेले में शिवं भक्तों की भारी भीड जुटती है इस प्राचीन मंदिर में सावन माह मे दूर दराज के कयी गांवो के शिवं भक्त इस मंदिर में शिवं लिंग पर जलाभिषेक कर पूजा अर्चना कर मंनते मांगते हैं ।सावन के पहले सोमवार को भांति माँ सेवा संस्थान के द्वारा देवाधिदेव महादेव के धाम कुशगढ़ शिव मंदिर पर चलाया गया स्वच्छता अभियान ,जिसको लेकर शिवं भक्त जनों ने मॉ सेवा संस्थान के सदस्यों को इस पहल पर खुशी जताई है।

सूची में नाम काटे जाने को लेकर ब्लॉक में दर्जनों कार्ड धारको ने किया प्रदर्शन

अखंड भारत संदेश

भदोही। जिले के सुरियावां विकास खंड के अंतर्गत ग्राम सभा बलभद्रपुर के कार्ड धारकों का सूची में नाम काटे जाने को लेकर सोमवार को खंड विकास कार्यालय में दर्जनों नागरिकों ने प्रदर्शन किया तथा खंड विकास अधिकारी को पत्र देकर उचित कार्रवाई करने की मांग की है।

ग्राम प्रधान पति श्यामसुंदर यादव के नेतृत्व में काफी संख्या में कार्ड धारक ब्लॉक मुख्यालय पहुंच कर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि सेक्रेटरी द्वारा मनमाने ढंग से बिना जांच किएपात्र लोगों का नाम काट दिया गया वही अपात्र लोगों को बख्श दिया गया है। मनमाने ढंग से 54 लोगों का नाम काटा गया है। जिन लोगों का पक्का बंगाल एवं गाड़ी मोटर है उनका नाम सूची में नहीं काटा गया

है। जो गरीब हैं जिनके पास कुछ नहीं है व्यक्ति विशेष के प्रभाव में आकर पात्र लोगों का नाम काट दिया गया।

प्रदर्शन कारियों जिला विकास अधिकारी जयकेश त्रिपाठी को पत्रक देकर उचित कार्रवाई करने की मांग की है।कहा कि जिन लोगों का नाम काटा गया हैवेसभी पात्र हैं। उनका नाम सूची में जोड़ा जाए। चेतावनी दिया गया कि अगर नाम नहीं जोड़ा गया तो जिला मुख्यालय पर धरना प्रदर्शन किया जाएगा। प्रदर्शन में प्रमोद, जयप्रकाश, ओम प्रकाश, जटाशंकर, सीता देवी, बीना देवी कैलाश नाथ मनोज कुमार कुसुम देवी प्रेमा देवी जवाहरलाल मोहनलाल चंद्रेश पाल आज काफी संख्या में कार्ड धारक मौजूद रहे।

शहादत दिवस पर याद की गई बहन वीरांगना फूलन देवी

अखंड भारत संदेश

भडेवरा/करछना। तहसील

क्षेत्र के मवैया गांव में लक्ष्मीकांत निषाद उर्फ पिंटू भैया (नगर अध्यक्ष) की अगुवाई में कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि के तौर पर रहे निषाद पार्टी के प्रांतीय अध्यक्ष श्री बाबूराम निषाद जी ने उनके कर्तव्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बहन फूलन देवी ने नारियों के सम्मान के लिए जो किया है वह सराहनीय है और यह भी बताया गया कि वह हमेशा याद की जाएंगी। और श्री निषाद ने कहा की सभी समाज की महिलाओ को निर्भीकता पूर्वक कदम से कदम मिलाकर चलना होगा जिससे कि प्रत्येक जगहों पर उनका सम्मान हो । विशिष्ठ अतिथि के रूप में मौजूद रहीं संध्या निषाद प्रदेश सचिव महिला मोर्चा निषाद पार्टी , सुनीता निषाद जिलाध्यक्ष महिला मोर्चा निषाद पार्टी ,रेखा निषाद जिला सचिव महिला मोर्चा निषाद पार्टी ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर नमन किये ।साथ रहे करछना विधान सभा अध्यक्ष बृज भूषण केवट ने भी माल्यार्पण कर नमन किए,और कहा कि नारी शक्तियों का सम्मान करना चाहिए।के अलावा वहा पर गोरेलाल निषाद, रामतीरथ निषाद , बृजेश निषाद हेमंत निषाद , वीरन बाबू निषाद , संदीप कुमार निषाद

सावन के पहले सोमवार शिवालयों में जुटे श्रद्धालु की पूजा अर्चना

अखंड भारत संदेश

जारी/ प्रयागराज। जारी क्षेत्र के मंदिरों में भगवान शिव की आराधना का महीना सावन सोमवार से शुरू हो गया तो वही डाड़ों में बने रामेश्वरम महादेव के मंदिर में भी महिलाओं ने जलाभिषेक किया। सावन के पहले सोमवार को मंदिरों सहित क्षेत्र के अधिकांश शिवालयों में श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक दूध अभिषेक करके भोलेनाथ की आराधना की।

जारी स्थित प्राचीन बड़े हनुमान जी का मंदिर गोविंद दास की मंदिर और रामेश्वरम महादेव के पुजारी ;आचार्यद्ध राकेश कुमार पांडेय ने बताया कि दैहिकए दैविकए भौतिकए एवं सामाजिक उत्थान हेतु समर्पित हुए श्रावण मास प्रथम सोमवार को दर्शनाथिर्यों की भारी भीड़ रामेश्वरम महादेव का अभिषेचन एवं पूजन करके मनोकामना पूर्ण हेतु

अर्चना किए ।पंडित द्वारा जजमान प्रेम शंकर शुक्ला पतने सोना देवी के संग जलाभिषेक किया ।तो वही आश्रम के ;संस्थापकद्ध बब्बू सिंह खौरिया डाड़ो निर्मित कल्याणिका साधना सदन आश्रम एपरिसर में कहा कि श्रद्धा का महासावन में हमारे सर्वप्रिय देवता महादेव और माता पार्वती को देख लें यह प्रेम के हर हर कण का सृजन करते हैं ।इस सावन में महादेव अपने सभी भक्तों का मनोरथ पूर्ण करें और आपका प्रेम अनंत काल तक पृथ्वी के कण.कण को मिलता रहे। भगवान महादेव एवं भगवती सभी श्रद्धालुओं का कल्याण करें। मान्यता है कि पौराणिक महत्व के इस मंदिर में सच्चे मन से की गई हर कामना जरूर पूरी होती है।

हर हर महादेव से गुंजायमान हुआ कुंदौरा धाम

अखंड भारत संदेश

प्रतापपुर। सर्वधर्म समन्वय समिति द्वारा संचालित प्राचीन श्री हरिहर कुंदौरा धाम धनूपुर मे सावन मास के प्रथम सोमवार को हजारों भक्तों ने भगवान शिव को जलाभिषेक किया और पुण्य लाभ की प्राप्ति की।भोर से जलाभिषेक का क्रम दिन भर चलता रहा जिसमें महिलायें बच्चे पुरुषों ने जलाभिषेक किया इस अवसर सरायममरेज थानाध्यक्ष भरत कुमार द्वारा सुरक्षा का व्यापक प्रबंध किया गया था । प्राचीन कुंदौरा धाम के अध्यक्ष जवाहर लाल गौड़ ने बताया कि सावन माष के पुण्यकाल मे शिव की आराधना अत्यंत सुखदाई होता है देवो के देव महादेव तो अवघढ़दानी है क्षण मात्र मे जल चढ़ाने से प्रशनन्न हो जाते है शिव की आराधना सभी को करना चाहिए श्रावण मास के प्रथम सोमवार को शिव भक्तों ने जलाभिषेक किया इस अवसर पर विजय बहादुर यादव, सुरेन्द्र मन्टू पांडेय, सत्येन्द्र पांडेय, हरिश्चन्द्र मिश्र, कपिलदेव तिवारी, हरिश्चन्द्र विश्वकर्मा,कलन्दर पांडेय,अनुरुद्ध यादव, सुरेन्द्र पांडेय,शेषधर तिवारी,हिन्छ लाल पांडेय,शिवकुमार तिवारी तेजस्वी सहित तमाम भक्त गण एवं व्यवस्थापक मौजूद रहे।

सुजावन देव पर उमड़े श्रद्धालु शिव भगवान का किया अभिषेक

अखंड भारत संदेश

घूरपुर। क्षेत्र के धार्मिक और पौराणिक व ऐतिहासिक आस्था के केंद्र सुजावन देव धाम पर सावन के पहले सोमवार के दिन देवाधिदेव महादेव की पूजा करने के लिए भक्तों की भारी भीड़ पहुंची ।इस बीच भक्तों ने शिव का अभिषेक कर पूजन अर्चन किया । भक्तों के द्वारा जयकारे लगते रहे । इस बीच कई श्रद्धालुओ ने विधि पूर्वक रुदराभिषेक भी किया।घूरपुर के भीटा देवरिया गांव के यमुना के मध्य स्थित पहाड़ी पर सुजावन देव विराजमान हैं। यमुना की मध्य धारा में मंदिर होने से इस मंदिर की भव्यता अपने आप में प्रसिध्द है । मनमोहक दृश्य देखने के लिए दूर दूर से पर्यटकों की भीड़ यहां सदैव आती रहती है । मंदिर की सुंदरता को देखते हुए वॉलीवुड की कई मशहूर फिल्मों का फिल्मांकन भी हुआ है । सावन के पहले सोमवार के दिन मंदिर में शिव भक्तों की भीड़ पूजन अर्चन के लिए पहुंची। मंदिर के मुख्य पुजारी ज्ञानेंद्र भारथी द्वारा मंदिर में आने वाले भक्तों को कोविड नियमों का पालन करते हुए पूजन व अभिषेक का कार्यक्रम चला। मंदिर में सुबह से शाम तक दूर दूर से आये भक्तों ने सुजावन देव का अभिषेक किया।

आवारा पशुओं से रीवा राजमार्ग बाधित

अखंड भारत संदेश

नारीबारी। क्षेत्रीय बाजारों जारी, नारीबरी, डांडो, गनने आदि जहां सुबह से शाम तक आवारा पशुओं गाय ,बैल आदि के द्वारा राजमार्ग बाधित रहता है और आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है इतना ही नहीं यातायात के साधनों को इनके चलते काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है कभी-कभी ये दिक्कतें एक्सीडेंट का रूप ले लेती हैं वहीं दूसरी ओर प्रतिदिन कहीं न कहीं राजमार्ग पर एक्सीडेंट द्वारा मरनेकी भी घटना एक आम बात हो गई जहां रीवा राजमार्ग पर ये जानवर मृत्यु के बाद भी कई दिनों तक पड़े रहते हैं लेकिन कोई इनके मृत शरीर को हटाने वाला नहीं दिखता कभी-कभी तो कुत्तों और कौवों द्वारा नोचने के कारण मृत स्थान पर ही इनकी आधी शरीर चुकजाती है जो इन गौवों पर आस्था को तार तार करता नजर आता गौ सेवा के नाम पर तमाम संगठन कागजों पर कार्य कर रहे हैं लेकिन इनकी इस दुर्दशा पर उनकी धरातलीय कार्य नजर नहीं आता इस स्थिति को देखकर यही लगता है कि शासन प्रशासन भी इसको लेकर बहुत संजीदा नहीं है जबकि सरकार द्वारा कई गांव में गो सेवा स्थलों का निर्माण कराया गया है लेकिन ये शायद शोपीस बने हुए है। गो पालको की यह स्थित है कि जब तक उनका इन जानवरों से स्वार्थ रहता है तब तक चारा भूसा देते हैं और जैसे ही स्वार्थ खत्म होता है वैसे ही इन जानवरों को आवारा छोड़ देते हैं और कोई खोज खबर भी नहीं लेते इतना अवश्य करते हैं कि यदि कु संयोगवश किसी दुधारू गाय की या अच्छी नस्ल की बछिया व बछड़े की मृत्यु हो जाती है तो उसका मालिकाना हक लेने चले आते हैं। कुछ भी हो शासन प्रशासन को इस व्यवस्था को लेकर बनाए गए कानून का कड़ाई से पालन करवाना चाहिए और इनके अस्तित्व के लिए कुछ नए कड़े कानूनों को बनाना भी चाहिए गो पालको को सूचीबद्ध भी करना चाहिए तथा जानवरों के शरीर पर किसी न किसी स्थान पर मालिक को चिन्हित भी करना चाहिए।

जल जीवन मिशन योजना के अंतर्गत प्रत्येक परिवार के घर तक पहुचेगा पानी : कमलेश द्विवेदी

जल जीवन मिशन पेयजल योजना की गोष्ठी में बोलें प्रमुख प्रतिनिधि

अखंड भारत संदेश

करछना। विकास खंड करछना के समस्त ग्राम पंचायत में जल जीवन मिशन योजना के अंतर्गत घर-घर प्रत्येक परिवार के घर तक पेयजल की आपूर्ति की ब्यवस्था उपलब्ध कराई जाएगी । सोमवार को ब्लाक करछना के सभागार में आयोजित जल जीवन मिशन योजना के तहत ग्राम प्रधानो एवं बीडीसी सदस्यों की गोष्ठी में बोलें ब्लाक प्रमुख करछना सरोज द्विवेदी के प्रतिनिधि पति कमलेश द्विवेदी । उन्होंने बताया कि विकास खंड करछना के कयी गांवो में पीने का पानी की समस्या है, लोगों को दूर दराज से पानी लाकर अपनी प्यास बुझाने के लिए मजबूर होना पडता है, जिसको गंभीरता से लेते हुए सबसे पहले गांवो में रहने वाले परिवार के इस योजना के तहत गांवो में पीने का पानी उनके घर तक पहुंचाया जायेगा ।गोष्ठी में जल निगम के म् ह, अवर अभियंता के अलावा मिथिलेश कुमार द्विवेदी, ओपी पटेल, प्रधान दीपक पटेल, संत लाल भारतीया, संतोष पांडेय, संदीप शुक्ला, प्रदीप मिश्रा सहित ब्लाक कर्मी मौजूद रहे ।

कार बाइक की भिड़ंत में मामा भांजे की मौत, घर में मचा कोहराम

अखंड भारत संदेश

मऊआइमा। मऊआइमा इलाके के ग्राम सरपताही नहर मोड पर रविवार को देर रात बाइक में कार ने जोरदार टक्कर मार दी । जिससे मामा की मौके पर दर्दनाक मौत हो गई । जबकि भांजे का उपचार के दौरान मृत्यु हो गई । पुलिस ने शवो को कब्जे में ले कर पोस्ट मार्टम के लिए भेज दी है। दोनों मृतकों के घरो में कोहराम मचा हुआ है। और स्वजनों का रो रो कर बुरा हाल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम जोगापुर निवासी सुरेन्द्र कुमार उर्फ लल्लू 25 वर्ष पुत्र राम प्यारे तथा ग्राम महरौंडा निवासी गनेश कुमार 30 वर्ष पुत्र विरजू आपस में मामा भांजे हैं । बताया जाता है कि रविवार को मामा गनेश कुमार पुत्र स्व विरजू ग्राम महरौंडा तथा भांजा सुरेन्द्र कुमार उर्फ लल्लू 25 पुत्र राम प्यारे ग्राम जोगापुर बाइक से मजदूरी करके घर जोगापुर आ रहे थे । बताते है कि रविवार को देर रात तेज रफ्तार कार ने ग्राम सरपताही नहर मोड हाईवे पर बाइक में टक्कर मार दी जिससे मामा गनेश कुमार की मौके पर दर्दनाक मौत हो गई । तथा भांजा सुरेन्द्र कुमार उर्फ लल्लू की हालत नाजुक होने पर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां सोमवार को सुरेन्द्र की भी मौत हो गई । पुलिस ने दोनों के शवों का पंचनामा भरकर कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है ।कार चालक कार लेकर भागने में सफल रहा। मामा और भांजे की मौत पर घरो में कोहराम मचा हुआ है । और स्वजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

इफको में एमएलसी सुरेंद्र चौधरी ने किया औचक निरीक्षण सुधार हेतु अधिकारियों को दिया निर्देश

अखंड भारत संदेश

फुलपुर। उत्तर प्रदेश दैविक आपदा समिति के सदस्य सह विधान परिषद तेजतर्रारक सदस्य सुरेंद्र चौधरी ने आज दिन में गंभीर अनियमितता की शिकायत पर औचक निरीक्षण किया। एवं संबंधित अधिकारियों को अतिथि गृह में तलब कर विस्तार से बिंदुवार समीक्षा की तथा समस्याएं एवं शिकायतों के अतिशीघ्र निस्तारण हेतु निर्देशित भी किया। इस अवसर पर इफको के अधिकारियों के साथ ही असली पुलिस प्रशासन व डॉ राजेश सिंह, बृजेश चौधरी, विष्णु, पुष्प राज साहू अधिवक्ता आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

अलकायदा की वापसी

आम तौर पर भले यह माना और कहा जाता रहा हो कि अलकायदा को खत्म कर दिया गया है और अब उसका कोई वजूद नहीं रहा, लेकिन जानकारों के मुताबिक अफगानिस्तान के दूर-दराज के हिस्सों में इस संगठन से जुड़े लोगों का ढीला-ढाला नेटवर्क लगातार बना रहा। भले इस नेटवर्क ने अपनी गतिविधियों को तात्कालिक विराम दे दिया हो, लेकिन वह इस स्थिति में तो है ही कि अनुकूल परिस्थितियां देखकर फिर सिर उठाने की कोशिश करे। अफगानिस्तान से अमेरिकी सेना की वापसी और उसके बाद वहां तालिबान का बढ़ता वर्चस्व कितना खतरनाक हो सकता है, यह धीरे-धीरे साफ होता जा रहा है। जिन इलाकों में तालिबान काबिज हो रहे हैं, वहां तो कट्टर इस्लामी शासन के तौर-तरीकों की वापसी हो ही रही है, इसके साथ-साथ अलकायदा के पुराने भूत के दोबारा जी उठने की ठोस आशंका भी पैदा हो गई है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की 1267 समिति की ताजा रिपोर्ट बताती है कि अफगानिस्तान के 15 प्रांतों में आतंकी संगठन अलकायदा ऑपरेशनल है। इसी समिति की फरवरी की रिपोर्ट में 11 प्रांतों में अलकायदा की मौजूदगी बताई गई थी। इससे साफ है कि यह आतंकी संगठन गुपचुप अपने प्रभाव का विस्तार करने में लगा हुआ है। आम तौर पर भले यह माना और कहा जाता रहा हो कि अलकायदा को खत्म कर दिया गया है और अब उसका कोई वजूद नहीं रहा, लेकिन जानकारों के मुताबिक अफगानिस्तान के दूर-दराज के हिस्सों में इस संगठन से जुड़े लोगों का ढीला-ढाला नेटवर्क लगातार बना रहा। भले इस नेटवर्क ने अपनी गतिविधियों को तात्कालिक विराम दे दिया हो, लेकिन वह इस स्थिति में तो है ही कि अनुकूल परिस्थितियां देखकर फिर सिर उठाने की कोशिश करे। जिस तेजी से अमेरिकी सेना को वापस बुलाया गया है, उससे आतंकी हलकों में यह संदेश गया है कि अब अमेरिका अफगानिस्तान में इस लड़ाई को जारी नहीं रख पा रहा।

जहां इस संदेश ने आतंकी तत्वों के मनोबल को बढ़ाया है, वहीं तालिबान लड़ाकों का अफगानिस्तान के अधिक से अधिक हिस्से पर काबिज होना वह अनुकूल माहौल मुहैया करा सकता है, जिसका वे इंतजार कर रहे थे। हालांकि कुछ एक्सपर्ट्स मानते हैं कि बदले हालात में तालिबान अतीत की अपनी गलतियों को दोहराना नहीं चाहेंगे। अमेरिका के साथ शांति वार्ता के बाद हुए समझौते के मुताबिक भी वे अफगानिस्तान में अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद से जुड़े तत्वों को किसी भी रूप में बढ़ावा न देने के लिए वचनबद्ध हैं। लेकिन असल सवाल यह है कि अगर तालिबान ऐसा चाह भी लें तो क्या अलकायदा से खुद को पूरी तरह अलग कर सकते हैं और क्या वे अलकायदा पर रोक लगा पाएंगे? पहली बात तो यह कि दोनों संगठनों का जितना लंबा तालमेल रहा है उसमें औपचारिक घोषणाओं को छोड़ दें तो जमीनी स्तर पर उनके कैडर को पूरी तरह अलग नहीं किया जा सकता। दूसरी बात यह कि चाहे बात तालिबान की हो या अलकायदा की या आईएस-केपी (इस्लामिक स्टेट-खुरासन प्रॉविंस) की ऐसे तमाम संगठनों को फलने-फूलने के लिए धार्मिक कट्टरता का माहौल और राजनीतिक अनिश्चितता व अराजकता की स्थिति चाहिए होती है। जाहिर है, जिस तरह के हालात की ओर अफगानिस्तान जाता हुआ दिख रहा है, उसमें इन तत्वों के बढ़त बनाने के खतरे से इनकार नहीं किया जा सकता।

30 साल पहले आर्थिक सुधारों की शुरुआत हुई, 30 साल बाद का भारत कैसा होगा?

स्वामिनाथन एस

मनमोहन सिंह ने 24 जुलाई 1991 को जो बजट भाषण दिया था, वहीं से भारत में आर्थिक सुधारों की शुरुआत हुई। 30 साल लंबी इस कहानी को दोहराने से लोग बोर हो सकते हैं। तो बदलाव के लिए मैं बताऊंगा कि अब से 30 साल बाद का भारत कैसा दिखेगा। हॉलिवुड के मशहूर एमजीएम स्टूडियो के सैम गोल्डविन ने एक बार कहा था कि कभी भी भविष्यवाणी नहीं करनी चाहिए, खासकर आने वाले वक्त के बारे में। वह भविष्यवाणियों को कुछ ज्यादा ही गंभीरता से लेते थे। मेरा मकसद यह नहीं है कि भविष्य की बातें करके बेजान दारूवाला या बाबा रामदेव से बेहतर ज्योतिषीय ज्ञान होने का दावा करूं। मेरा मकसद है बस मजे करना और लोगों की कल्पना को ऊंची उड़ान देना। तो चलिए शुरू करते हैं। मैं भविष्यवाणी करता हूं कि 30 साल बाद भारत में 51 सूबे होंगे। अधिक राज्यों के लिए क्षेत्रीय दबाव बढ़ता रहेगा। कई राजनीतिक दलों को एक नया लोकलुभावन लक्ष्य मिल जाएगा, राज्यों की संख्या के मामले में भारत को दुनिया में नंबर वन बनाना। यहां तक कि अमेरिका की 50 सूबों की संख्या को भी पीछे छोड़ देना। इसके चलते क्षेत्रीय पार्टियों का विकास विस्फोटक तरीके से होगा। हम पिछले 30 बरस में कई क्षेत्रीय दलों का उदय देख चुके हैं। ऐसे दल जिन्हें 1991 में कोई बमुश्किल ही पहचानता-जानता था। अगले 30 साल इस चीज को और आगे ले जाएंगे। भारत की सियासत में दर्जनों रीजनल पार्टियों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण हो जाएगी।

इसका एक परिणाम यह होगा कि किसी एक दल के वर्चस्व के दिन खत्म हो जाएंगे। गठबंधन की राजनीति इतनी मजबूत होगी, जितनी पहले कभी नहीं रही। राष्ट्रीय चुनावों में बड़े दलों का दबदबा खत्म होगा। चुनावों में सफलता के लिए जरूरत पड़ेगी दर्जनों छोटी पार्टियों से दोस्ती की। वैसे, बीते 30 बरसों में ही हम देख चुके हैं कि गठबंधन की राजनीति किस तरह हावी रही है। 2014 और फिर 2019 में नरेंद्र मोदी की जीत से यह ट्रेंड टूटा जरूर, लेकिन इसकी वापसी होगी। और फिर यह भी याद रखें कि पिछले लोकसभा चुनाव में भी बीजेपी के साथ 20 सहयोगी थे। हिंदुत्व को झटका लगेगा। बीजेपी का हिंदुत्व के सभी धड़ों को मिलाकर एक हिंदू पार्टी बनाने का प्रयास विफल हो जाएगा। इसकी वजह होगी कि उप-जातियां खुद ही अपने-अपने राज्यों में छोटे-छोटे दल बनाना शुरू कर देंगी। 40 दलों को मिलाकर बनाई गई राष्ट्रीय सरकारें खुद को 'टुकड़ा' गठबंधन कहने में गर्व महसूस करेंगी। सरकारी नौकरियों और शिक्षा में आरक्षण की मांग नए क्षेत्रों में फैल जाएगी। केवल हिंदुओं में ही 16 सौ जातियां हैं। मुस्लिमों और ईसाइयों में भी जातियों की तरह कई विभाजन हैं। ये सभी जातियां कोटा सिस्टम का लाभ उठाने की कोशिश करेंगी। अपने मकसद को आगे बढ़ाने के लिए छोटे-छोटे दल बनाएंगी ये जातियां। सरकारी नौकरियों और शिक्षा में 50 फीसदी से अधिक आरक्षण नहीं देने का सुप्रीम कोर्ट का नियम धराशायी कर दिया जाएगा। यह अनुपात बढ़कर हो जाएगा 95 प्रतिशत। जो लोग शिकायत करेंगे कि इससे योग्यता को नुकसान होगा, उन पर उच्च जाति के अभिजात्यवाद का आरोप लगाया जाएगा। जो विश्लेषक इस स्थिति से उदास होंगे, वे अनुमान लगाएंगे कि उच्च जाति के भारतीय बेहतर नौकरी की तलाश में विदेश चले जाएंगे। वहीं, कुछ लोग कहेंगे कि यह कोई समस्या नहीं, बल्कि समाधान है।

विदेशों में बसे भारतीयों की संख्या बढ़कर हो जाएगी 10 करोड़। वे सर्वाधिक शिक्षित और बेहतर उद्यमी होंगे। ऐसे में दुनियाभर में राजनीति और व्यापार में शीर्ष पदों पर कब्जा होगा उनका। अमेरिका के राष्ट्रपति पंजाबी लहजे में बात करेंगे, जबकि पोप के बात करने में झलक होगी मलयालम की। भारत की जनसंख्या बढ़कर 160 करोड़ हो जाएगी। आबादी के मामले में चीन को पीछे छोड़ देंगे हम। लेकिन प्रजनन दर घटकर 1.5 रह जाएगी। इससे भारत को अचानक श्रमिकों की घटती संख्या का सामना करना पड़ेगा। दूसरी ओर, इन पर आश्रित रिटायर हो चुके वृद्ध लोगों की संख्या बढ़ेगी। जीवन प्रत्याशा बढ़कर 95 साल हो जाएगी। जनसंख्या को लेकर सोच बदलेगी। पहले की सरकारी योजनाओं का उद्देश्य था जनसंख्या में कमी करना, लेकिन अब लक्ष्य होगा बड़े परिवारों को बढ़ावा देना। पुराने स्लोगन 'दो या तीन बस' की जगह ले लेगा एक नया स्लोगन, जो कहेगा, 'सिर्फ दो या तीन, बस? राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अब तक का सबसे बड़ा यूटर्न लेगा। संघ इस बात को इंगित करेगा कि प्राचीन भारत में बहुविवाह की प्रथा थी, तो क्यों न उस गौरवशाली परंपरा को फिर से जीवित किया जाए? भगवान कृष्ण के कम से कम आठ पतिन्यां थीं।

कहा जाता है कि नरकासुर को हराने के बाद उन्होंने जिन 16 हजार नारियों को आजाद कराया, उन सभी से विवाह कर लिया। तो क्यों न मुस्लिमों को हिंदू उनके अपने खेल में हराएं। हिंदुओं के लिए संघ नया नारा देगा, 'हम पांच, हमारे पच्चीस'। आर्थिक विकास दर मध्यम रहेगी, चार फीसदी प्रति साल। शून्य जनसंख्या वृद्धि और अमीरी के चलते सभी देशों में जीडीपी धीमी होगी। सब्सिडी बढ़कर जीडीपी का 10 प्रतिशत हो जाएगी। एक परिणाम यह होगा कि प्रति व्यक्ति आय के मामले में भारत से आगे निकल जाएगा बांग्लादेश। इससे घुसपैठियों का इतिहास बदलेगा। बेहतर नौकरी की तलाश में बांग्लादेश में अवैध रूप से घुसे भारतीयों की बाढ़ आ जाएगी। अब चलते हैं चीन की ओर। शी चिनफिंग की 2025 में मौत हो जाएगी। अपने कार्यकाल में वह कम्युनिस्ट पार्टी के 15 हजार भ्रष्ट अफसरों को कैद करेंगे। यही भ्रष्ट अफसर बाद में पलटवार करेंगे। सत्ता के लिए लड़ाई चीन को संघर्ष और अराजकता में डुबो देगी। चीन के कुछ धड़ों का मानना होगा कि भारत के साथ एक उदार सीमा समझौता कर लिया जाए ताकि बॉर्डर से सेना को हटाकर देश के भीतर लगाया जा सके। डील के तहत, चीन भगवान शिव का घर कैलाश पर्वत भारत को देने की पेशकश करेगा। बहुत से भारतीयों का मानना होगा कि यह 21वीं सदी की सबसे बड़ी उपलब्धि है।

भास्कर पर आयकर विभाग के छापे से उपजे हैं कुछ बड़े सवाल

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

हिंदी के सबसे बड़े और सबसे प्रामाणिक अखबार भास्कर पर छापों की खबर ने देश के करोड़ों पाठकों और हजारों पत्रकारों को हतप्रभ कर दिया है। जो नेता और पत्रकार भाजपा और मोदी के भक्त हैं, वे भी सनन्न रह गए। ये छापे मारकर क्या सरकार ने खुद का भला किया है या अपनी छवि चमकाई है ? नहीं, उल्टा ही हुआ है। एक तो पेगासस से जासूसी के मामले में सरकार की बदनामी पहले से हो रही है और अब लोकतंत्र के चौथे खंभे खबरपालिका पर हमला करके सरकार ने नई मुसीबत मोल ले ली है। देश के सभी निष्पक्ष अखबार, पत्रकार और टीवी चैनल इस हमले से परेशान हैं।सरकारी सूत्रों का कहना है कि सरकार ने 'भास्कर' पर छापे इसलिए मारे हैं कि उसने अपनी अकूत संपत्तियों को विदेशों में छिपा रखा है ताकि उसे आयकर न देना पड़े। इसके अलावा उसने पत्रकारिता के अलावा कई धंधे चला रखे हैं। उन सबकी अनियमितता को अब सप्रमाण पकड़ा जाएगा। यदि ऐसा है तो यहां सरकार से मेरे तीन सवाल हैं। पहला- ये छापे अभी ही क्यों डाले गए? पिछले 6-7 साल से मोदी सरकार क्या सो रही थी ? अभी

ही उसकी नींद क्यों खुली? उसका कारण क्या है? दूसरा- यह छापा सिर्फ भास्कर पर ही क्यों डाला गया? क्या देश के सारे नेतागण, व्यापारी और व्यवसायी वित्तीय-कानूनों का पूर्ण पालन कर रहे हैं? क्या देश के अन्य बड़े अखबार और टीवी चैनलों पर भी इस तरह के छापे डाले जाएंगे? तीसरा- अखबार के मालिकों के साथ-साथ संपादकों और रिपोर्टरों के भी फोन जब्त क्यों किए गए? उन्हें दफ्तरों में लंबे समय तक बंधक बनाकर क्यों रखा गया? उन्हें डराने और अपमानित करने का उद्देश्य क्या था?

इन छापों का एकमात्र उद्देश्य है, स्वतंत्र पत्रकारिता के घुटने तोड़ना। भास्कर देश का सबसे लोकप्रिय और शक्तिशाली अखबार इसीलिए बन गया है कि वह निष्पक्ष है और प्रामाणिक है। यदि उसने कोरोना के दौरान सरकारों की लापरवाहियों को उजागर किया है तो ऐसा करके उसने सरकार का भला ही किया है। उसने उसे सावधान करके सेवा के लिए प्रेरित ही किया है। यदि उसने गुजरात की भाजपा सरकार की पोल खोली है तो उसने राजस्थान की कांग्रेस सरकार को भी नहीं बख्शा है। भास्कर के पत्रकार और मालिक अपनी प्रखर पत्रकारिता के लिए विशेष सम्मान के पात्र हैं। संत कबीर के शब्दों में 'निदंक नियरे राखिए, आंगन-कुटी छबाय'! भास्कर के साथ उल्टा हुआ। भाजपा सरकारों ने उसे विज्ञापन देने बंद कर दिए। मैं भास्कर को सरकार का अंध विरोधी या अंध-समर्थक अखबार नहीं मानता हूं। पिछले 40 साल से मेरे लेख भास्कर में नियमित रूप से छप रहे हैं लेकिन आज तक किसी संपादक ने एक बार भी मुझसे नहीं कहा कि आप सरकार की किसी नीति का समर्थन या विरोध क्यों कर रहे हैं। भास्कर में यदि कांग्रेस के बुद्धिजीवी नेताओं के लेख छपते हैं तो भाजपा के नेताओं को भी उचित स्थान मिलता है। भास्कर पर डाले गए इस सरकारी छापे से सरकार को नुकसान और भास्कर को फायदा ही होगा। भास्कर की पाठक-संख्या में अपूर्व वृद्धि हो सकती है।

कोविड-19 : वे संकट और परेशानियां जो हमें दिख नहीं रही

लेखा रत्तनाणी

जब हमारी आकांक्षाएं बढ़ गईं, ईएमआई कई गुना हो गया और संयुक्त परिवार पद्धति को त्याग दिया गया। 2011 की जनगणना के मुताबिक आज 10.4 करोड़ से ज्यादा भारतीय 60 वर्ष से अधिक उम्र के हैं। भारतीय परिवारों की संरचना में बदलाव के कारण वे 'वरिष्ठ नागरिक' जिन्होंने कभी संयुक्त परिवारों का नेतृत्व किया था, उनका मार्गदर्शन किया था, अब खुद अनिश्चित भविष्य का सामना कर रहे हैं। देश में जुलाई के मध्य तक कोविड-19 से मरने वालों की अधिकारिक संख्या 4 लाख के करीब बताई जा रही है। यह व्यापक तौर पर माना और समझा जाता है कि मरने वालों की वास्तविक संख्या इससे बहुत ज्यादा है। इन आंकड़ों में वे मौतें शामिल नहीं हैं जो सीधे कोविड-19 से नहीं बल्कि कोविड-19 के अप्रत्यक्ष प्रभाव, जैसे आत्महत्या, अवसाद, चिंताएं, परिवार के बिखरने, परिवार के किसी सदस्य या सदस्यों की मृत्यु के कारण अथवा आर्थिक संकट के कारण हुई हैं। महामारी की त्रासदी के साथ समानान्तर चल रहे इस संकट से मरे लोगों की कोई अधिकारिक गिनती नहीं है। वे परिवार इस संकट का किस तरह सामना कर रहे हैं, यह बात भी कोई जानता नहीं है। इस समय कोविड-19 से प्रभावित लोगों की संख्या में कमी नजर आ रही है। टीकाकरण अभियान भी तेजी से चल रहा है और संभावित तीसरी लहर के मद्देनजर स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता पर भी ध्यान दिया जा रहा है। ऐसे में सरकार को उन लोगों को भी मदद और राहत देनी चाहिए जो इस आपदा के प्रभावों व दुखों को खामोशी से झेल रहे हैं। ये वे लोग हैं जिन्हें मदद की जरूरत तो है पर वे इतने कमजोर हैं कि सहायता के लिए गुहार भी नहीं लगा सकते। पत्रकार रेशमा मैथ्यू ट्रेंचिल का मामला भी इसी प्रकार का है। रेशमा ने इसी साल जून के मध्य में फादर्स डे पर अपने सात साल के बेटे के साथ बहुमंजिली इमारत की 12वीं मंज़िल के फ्लैट से कूद कर आत्महत्या कर ली थी जहां वह किराये से रहती थी। एक माह पहले ही उसके पति की कोरोना से मौत हो गई थी। उसका पति कोरोना से बीमार अपने माता-पिता की सेवा करने वाराणसी गया था जहां वह भी संक्रमित हो गया था। उसके माता-पिता की भी महामारी से मृत्यु हो गई। रेशमा हाल ही में बेंगलुरु से मुंबई आई थी और यहां किसी की मदद या सहारा न होने के कारण खुद को अकेली पा रही थी। यह खामोश खतरा दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। अमेरिका में किये गये एक अध्ययन के अनुसार कोविड-19 से हुई मौतों के अलावा इस महामारी के कारण उत्पन्न 'निराशा से मौतों' की महामारी फैल रही है। कैलिफोनिन्या स्थित 'वेल बीईंग ट्रस्ट' के अनुसार बेतहाशा शराब पीने और नशीली दवाओं के उपयोग के कारण 75 हजार लोगों की मौत हो सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 'यदि देश उन समाधानों को ढूंढने में विफल रहता है जो देश के अलगाव, दर्द और पीड़ा को ठीक करने में मदद कर सकते हैं, तो कोविड-19 का सामूहिक प्रभाव और भी विनाशकारी होगा।' इसमें बताया गया है कि अमेरिका में असामान्य 'निराशा से मौतों' के तीन कारण पहले ही सक्रिय हैं : अभूतपूर्व आर्थिक विफलता, बड़े पैमाने पर बेरोजगारी, सामाजिक अलगाव के अनिवार्य महीने और वर्षों का संभावित अनिवार्य अलगाव।

भारत में तीन या चार सदस्यों वाले एकल परिवार तो इस महामारी के कारण टूट से गये हैं। खास तौर पर वे, जो अपने मुख्य निवास वाले शहरों या गांवों को छोड़कर नए शहरों में कामकाज या किसी अन्य कारण से स्थानांतरित हुए हैं; अथवा वे लोग जो दूसरी जाति में विवाह करने के कारण परिवार द्वारा बहिष्कृत कर दिये गये हैं। कोविड-19 की पहली और दूसरी लहर के दौरान राज्य सरकारों द्वारा लगाये जा रहे लॉकडाउन के कारण इन परिवारों में बचे लोग किसी प्रकार के संसाधनों के अभाव में अकेले पड़ गये हैं। ऐसे बहुत से लोग हैं जो अपने स्वजनों के अंतिम समय में उनके साथ न रह पाने के कारण और उनके अंतिम संस्कार व क्रिया कर्म में अपनी आस्था के अनुसार शामिल न हो पाने की वजह से अभी भी गहरे मानसिक आघात में हैं। कई परिवारों में एक आदर्श जीवन शैली का मतलब है- घरों और कारों के लिए बड़ी ईएमआई और रख-रखाव शुल्क, जो उपभोक्तावाद के युग में सफलता और उपलब्धि का संकेत देते हैं। अब इसकी हकीकत कर्ज वसूली और उसकी प्रक्रिया वाले एजेंटों के फोन काल्स के रूप में सामने आ रही है और उन्हें अपने आत्मसम्मान का बलिदान देना पड़ रहा है। गुरुग्राम के शेट्टी परिवार का उदाहरण ऐसा ही है जहां पिता ने आत्महत्या कर ली। लगातार बढ़ते कर्ज के कारण एक पखवाड़े बाद उनकी पतनी और एक बेटी ने भी आत्महत्या कर ली। रिपोर्ट्स के मुताबिक आत्मघाती नोट में अनुरोध किया गया था कि उनके घर व कार का कर्ज माफ किया जाए। आत्मबल टूटने की ऐसी घटनाओं में और भी बढ़ोतरी होगी क्योंकि कोविड-19 अपनी कीमत, आर्थिक, सामाजिक और मनोवैज्ञानिक तरीके से वसूलेगा।

मई में एक ऑनलाइन सर्वेक्षण किया गया था जिसमें करीब 8 हजार लोगों को शामिल किया गया था। इस सर्वे में पाया गया कि कोविड-19 की दूसरी लहर के दौरान 61 प्रतिशत भारतीय खुद को नाराज, परेशान, उदास या चिंतित महसूस कर रहे थे। सर्वे के मुताबिक 23 फीसदी ने बताया कि वे 'चिंतित या डरे हुए थे', 8 प्रतिशत ने कहा कि वे 'खिनन्, अवसादग्रस्त या उदास' थे, 20 फीसद ने कहा कि वे 'परेशान और गुस्से में' थे, 10 प्रतिशत ने कहा कि वे 'बहुत गुस्से' में थे, और सिर्फ 7 प्र.श. ने कहा कि वे 'शांत और स्थिर चित्त' थे। अन्य रिपोर्टों में यह बताया गया कि महामारी के दौरान हेल्पलाइनों व अन्य सहायता केंद्रों पर कॉल संख्या में वृद्धि हुई हैं। लॉकडाउन और अनलॉक चरणों के बीच तनाव के कारण आत्महत्याओं की तुलना करने के लिए कोविड-19 से संबंधित 151 आत्महत्याओं पर भारतीय प्रिंट और टेलीविजन की 1856 रिपोर्टों और वैज्ञानिक साहित्य पर आधारित एक अन्य अध्ययन के निष्कर्षों के अनुसार आत्महत्या करने वालों में 80.8 फीसदी पुरुष थे और मृतकों की औसत आयु 38 वर्ष के आसपास थी। लॉकडाउन के दौरान आत्महत्या करने वाले लोगों की उम्र लॉकडाउन हटाए जाने पर मरने वालों की तुलना में काफी कम थी। इसी तरह के निष्कर्ष एमपावर नामक एक मानसिक स्वास्थ्य हेल्पलाइन के भी हैं। इसका महाराष्ट्र सरकार के साथ गठबंधन है। इस हेल्पलाइन को पिछले मार्च और इस अप्रैल में लॉक डाउन के दौरान पूरे भारत से 70 हजार फोन कॉल्स आई थीं। कॉल करने वालों में अधिकतर लोग 26 से 40 वर्ष आयु वर्ग के थे। 70 प्रश से अधिक फोन कॉल पुरुषों ने किए थे। समय पर दवा, शोक से उबरने के लिए दी गई सांत्वना और मनोचिकित्सा के कारण आत्महत्या करने की कगार पर खड़े लोगों ने अपने कदम वापस खींच लिए पर जो लोग फोन नहीं करते उनका क्या हुआ होगा, इसका जवाब नहीं है।

फिर भी लॉक डाऊन के बाद खुले शॉपिंग सेंटर या अन्य स्थानों पर एकाध बार जाने का मतलब यही है कि स्थिति सामान्य हो रही है। कई दुकानों में वस्तुएं खरीदने के लिए भीड़ लगने की भी खबरें हैं। इसे कभी-कभी सामान्य स्थिति की वापसी का संकेत माना जाता है, लेकिन यह उस टाइम बम को अनदेखा करता है जो विघटन के कारण सतह के ठीक नीचे छिपा है। साफ-साफ कहें तो यह निष्कर्ष निकालना गलत होगा कि महामारी के घातक प्रभावों- स्वास्थ्य के मोर्चे और परदे के पीछे की घटनाओं से प्रभावित हुए बिना देश और जनता सामान्य काम पर लौट आई है। वे लोग जो अकेले हैं और विभिनन् शहरों में काम कर रहे हैं, अपने परिवारों से कटे हुए या अलग हैं, वे इस महामारी और लॉकडाउन में एक नई समस्या का सामना कर रहे हैं। यह नब्बे के दशक में उदारीकरण के साथ भारतीय परिवारों और संस्कृति में प्रवेश किए कुछ सामाजिक परिवर्तनों का परिणाम है जिसका फल अब नजर आ रहा है। यह तब हुआ जब हमारी आकांक्षाएं बढ़ गईं, ईएमआई कई गुना हो गया और संयुक्त परिवार पद्धति को त्याग दिया गया। 2011 की जनगणना के मुताबिक आज 10.4 करोड़ से ज्यादा भारतीय 60 वर्ष से अधिक उम्र के हैं। भारतीय परिवारों की संरचना में बदलाव के कारण वे 'वरिष्ठ नागरिक' जिन्होंने कभी संयुक्त परिवारों का नेतृत्व किया था, उनका मार्गदर्शन किया था, अब खुद अनिश्चित भविष्य का सामना कर रहे हैं।इस नजरिए से देखा जाए तो यह महामारी भारतीय सामाजिक ढांचे में कुछ नए दोषों, परिवर्तनों को जन्म दे सकती है। बाजार की निगाहें इन प्रवृत्तियों के निर्माण और उनके पनपने पर हैं कि क्या 'घर से काम' करने के कारण एकल परिवार की प्रवृत्ति में बदलाव आकर फिर से संयुक्त परिवार प्रणाली की वापसी होगी? नई पीढ़ी की फास्ट फूड, तुरंत नकदी और तत्काल संतुष्टि की संस्कृति पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा? सरकार को सतर्क होकर इस अनदेखे संकट का सामना करने की तैयारी करनी चाहिए जो इस महामारी की समाप्ति के बाद उसके सामने आने वाला है।

क्या इस बार भी 1964 जैसा तोक्यो ओलिंपिक होगा

अभिजीत घोष

2021 का तोक्यो ओलिंपिक्स का आगाज हो गया है। 1964 के तोक्यो ओलिंपिक्स का जिक्र होते ही हमारे देश के हॉकी प्रेमी भावुक हो जाते हैं। तब आखिर ऐसा क्या हुआ था? भारत और पाकिस्तान के बीच खेल के मैदान पर हर मुकाबला तनावपूर्ण होता है लेकिन बात जब ओलिंपिक्स की हो और दांव पर लगा हो गोल्ड मेडल तो सोचिए तनाव का आलम क्या रहा होगा! तोक्यो में 1964 में भारत-पाकिस्तान की हॉकी टीमें फाइनल में आमने-सामने थीं और तनाव इतना कि अंपायरों को दखल देना पड़ा। हम उस जमाने की बात कर रहे हैं जब हिंदुस्तान, हॉकी और ओलिंपिक स्वर्ण पदक पर्यायवाची शब्द जैसे हो गए थे। 1928 एम्सटर्डम ओलिंपिक्स में जयपाल सिंह मुंडा के नेतृत्व में भारत ने पहली बार हॉकी में गोल्ड मेडल हासिल किया। इसके बाद 1932 के लॉस एंजिलिस में, 1936 बर्लिन में, 1948 लंदन में, 1952 हेलसिंकी में और 1956 मेलबॉर्न में भी जीत भारत के हिस्से में आई और उसने अपना दबदबा बनाए रखा। यहां दो बातें उल्लेखनीय हैं- पहली, भारत ने अमेरिका को लॉस एंजिलिस ओलिंपिक में 24-1 से ध्वस्त किया था। दूसरी, 1928, 32 और 36

में ध्यानचंद ने अपनी बेहतरीन पासिंग और ड्रिबलिंग से सबको मंत्रमुग्ध कर दिया था। ध्यानचंद का हॉकी में वही दर्जा है जो क्रिकेट में डॉनल्ड ब्रेडमैन का और फुटबॉल में पेले का है। 1960 आते-आते हिंदुस्तान के ओलिंपिक्स की गति खतरे में पड़ गई। रोम ओलिंपिक के फाइनल में पाकिस्तान ने भारत को 1-0 से हराया तो पूरे देश में मायूसी छा गई। उसके बाद 1962 के जकार्ता एशियन गेम्स के फाइनल में भी जब पाकिस्तान ने हिंदुस्तान को हरा दिया तो एकबारगी ऐसा लगा, जैसे हमारे स्वर्णिम दिन बीत चुके हैं। अब देश की आंखें और उम्मीद 1964 तोक्यो ओलिंपिक्स पर थीं। सभी के मन में यही सवाल था कि क्या हिंदुस्तान एक बार फिर गोल्ड जीत पाएगा? क्या ओलिंपिक्स में फिर से जन-गण-मन की धुन सुनाई पड़ेगी? क्या फिर अच्छे दिन लौट आएंगे? भारत के कप्तान थे चरणजीत सिंह। गोलकीपर नंबर वन थे शंकर लक्ष्मण। बाकी टीम कुछ इस प्रकार थी- राजेंद्रन क्रिस्टी, प्रतिपाल सिंह, धरम सिंह, गुरबख्श सिंह, महिंदर लाल जगजीत सिंह, रजिंदर सिंह, जोगिंदर सिंह, हरिपाल कौशिक, हरविंदर सिंह, बंदू पाटिल, विक्टर जॉन पीटर, उधम सिंह, दर्शन सिंह, सैयद अली और बलवीर सिंह फुलर।

टूर्नामेंट में भारत ग्रुप-बी में था और पहला मैच बेल्जियम के खिलाफ 2-0 से जीता। इसके बाद स्तर में कुछ गिरावट देखने को मिली। जर्मनी और स्पेन दोनों के साथ भारत ने 1-1 गोल से ड्रॉ किया। दोनों मैचों में हिंदुस्तान ने पहला गोल खाया और फिर मुकाबला बराबर किया। बाकी ग्रुप गेम्स में भारत ने हॉन्गकॉन्ग को 6-0 से रौंदा, मलेशिया को 3-1 से और कनाडा को 3-0 से पराजित किया। आखिरी ग्रुप मुकाबला नीदरलैंड से था। यह भी कांटे की टक्कर साबित हुआ लेकिन इसमें 2-1 से जीतकर भारत ग्रुप बी का टॉपर बन गया। अब सेमीफाइनल में मुकाबला ऑस्ट्रेलिया से था। ऑस्ट्रेलिया की टीम ने भी 1964 तक काफी तरक्की कर ली थी। हिंदुस्तान फिर भी उन पर भारी पड़ा। 3-1 से जीत हमारे हिस्से में आई।फाइनल में भारत और पाकिस्तान फिर आमने-सामने थे। पाकिस्तानी दर्शक ज्यादा थे और स्टैंड में काफी शोर कर रहे थे। हिंदुस्तानी समर्थक कम थे और थोड़े दबे हुए थे। पाकिस्तान ने जमकर अपने कौशल का प्रदर्शन किया। हिंदुस्तानी टीम ने भी एकजुट और एकाग्रता से डटकर मुकाबला किया। हाफ टाइम पर स्कोर था, शून्य-शून्य। हाफ टाइम के 6 मिनट बाद भारत के पेनल्टी कॉर्नर में पृथ्वीपाल सिंह के करारे शॉट ने पाकिस्तान के गोलकीपर हमीद को बीट कर दिया। बॉल मुनीर दर के पैरों में लगी और रफी ने पेनल्टी स्ट्रोक दिया। मोहिंदर लाल ने कोई गलती नहीं की और भारत 1-0 से आगे हो गया। पाकिस्तान ने कई अटैक किए, पर गोली शंकर लक्ष्मण अभेद्य रहे। पृथ्वीपाल सिंह ने भी बेहतरीन डिफेंस दिखाया। वह भारत की यादगार जीत थी। 2021 में हमारी टीम फिर तोक्यो ओलिंपिक्स में खेलेगी। क्या एक बार फिर हम मेडल जीत पाएंगे? ये तो वक्त ही बताएगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने महिला तलवारबाज भवानी देवी से कहा. भारत को आपके योगदान पर गर्व है

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने टोक्यो ओलंपिक में दूसरे दौर से बाहर होने के बावजूद इतिहास रचने वाली भारतीय तलवारबाज सीए भवानी देवी की हौसलाअफजाई करते हुए कहा कि देश को उनके योगदान पर गर्व है। भवानी देवी ने टोक्यो ओलंपिक में उतरने के साथ ही इतिहास रच दिया।

मुकाबले में उतरने के साथ ही वह तलवारबाजी इवेंट में भाग लेने वाली पहली भारतीय एथलीट बन गई। भवानी ने टोक्यो ओलंपिक में जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की। प्रधानमंत्री मोदी ने भवानी के ट्वीट को रिट्वीट करते हुए कहाए श् आपने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और यही मायने रखता है। हार और जीत

जीवन का अंग है। भारत को आपके योगदान पर गर्व है। आप हमारे नागरिकों के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

इससे पहलेए भवानी ने ट्वीट किया थाए श् मैंने अपनी ओर से पूरा प्रयास किया लेकिन दूसरा मुकाबला जीत नहीं सकी। मैं माफी मांगती हूं। अगले ओलंपिक में आपकी प्रार्थनाओं के साथ और बेहतर प्रदर्शन करूंगी। भवानी ने अपने पहले मुकाबले में मुकाबले में ट्यूनीशिया की नादिया बेन अजिजि को 15.3 से करारी शिकस्त दी और ओलंपिक में अपने ?अभियान की विजयी शुरुआत की। हालांकि भवानी को महिलाओं की व्यक्तिगत साबरे के दूसरे मैच में रियो ओलंपिक के सेमीफाइनल में जगह बनाने वाली ब्रूनेट से 7.15 से हार का सामना करना पड़ा।

भवानी ने अपने मुकाबले के बाद सोशल मीडिया पर फैन्स का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने ट्विटर पर कहाए श्आज मेरे लिए बहुत बड़ा दिन था। मैं काफी उत्साहित और भावुक थी। मैंने नादिया अजिजि के खिलाफ पहला मैच 15ः3 जीता और ओलंपिक में मैच जीतने वाली पहली भारतीय तलवारबाजी खिलाड़ी बनी। लेकिन दूसरे मुकाबले में मैं विश्व के टॉप तीन खिलाड़ी मैनन ब्रूनेट के खिलाफ 7ः15 से हार गई। मैंने अपना बेस्ट प्रदर्शन किया लेकिन मैं जीत नहीं सकी। इसके

मीराबाई चानू को एएसपी पद पर नियुक्त किया गया, मणिपुर के मुख्यमंत्री ने किया ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। टोक्यो ओलंपिक में सिल्वर मेडल जीतकर इतिहास रचने वाली मीराबाई चानू को मणिपुर सरकार ने एडिशनल एसपी नियुक्त किया है। राज्य सरकार ने मीराबाई चानू को मणिपुर पुलिस में एडिशनल एसपी ;स्पोर्ट्सद्ध के पद पर तैनात करने का फैसला किया है। राज्य सरकार पहले ही मीराबाई को एक करोड़ रुपये नकद पुरस्कार देने की घोषणा कर चुकी है। मीराबाई ने

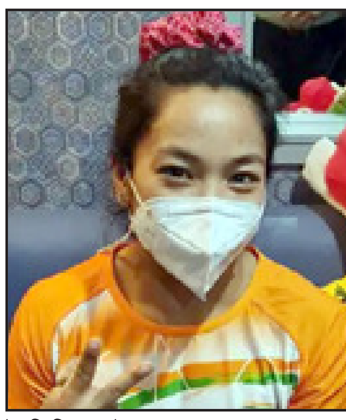

वेटलिफ्टिंग में पदक का भारत का 21 साल के सूखे को खत्म किया है और सिल्वर मेडल जीतकर देश का खाता भी खोला। उन्हें यह मेडल 49 किग्रा कैटेगरी में मिला। इस इवेंट में चाइना की हाऊ झीहुई ने गोल्ड हासिल किया था। अब ऐसी खबर सामने आ रही है कि झीहुई का डोपिंग टेस्ट होगा। ऐसे में अगर वे इसमें फेल हो जाती हैं तो गोल्ड मेडल चानू की झोली में आ जाएगा। चानू से पहले दिग्गज कर्णम मल्लेश्वरी ने सिडनी ओलंपिक 2000 में वेटलिफ्टिंग में कांस्य मेडल जीता था। उसके बाद 21 साल तक भारत इस इवेंट में पदक के लिए तरसता रहा। मीराबाई के गोल्ड जीतने पर मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने घोषणा करते हुए कहा कि राज्य सरकार टोक्यो ओलंपिक में सिल्वर मेडल लाने वाली वेटलिफ्टर मीराबाई चानू को एक करोड़ रुपये का नकद पुरस्कार देगी।

खेल मंत्री ने मीराबाई को किया सम्मानित

चानू ने देशवासियों के नाम किया ओलंपिक पदक

नई दिल्ली (एजेंसी)। टोक्यो ओलंपिक वेटलिफ्टिंग में इतिहास रचने वाली मीराबाई चानू ने भारत लौटने के बाद अपना रजत पदक सोमवार को देशवासियों के नाम किया। मणिपुर की इस खिलाड़ी ने 49 किग्रा वर्ग में कुल 202 किग्रा ;87 किग्रा . 115 किग्राद्ध भार उठाकर शनिवार को रजत पदक हासिल किया था। इससे पहले भारोत्तोलन में 2000 सिडनी ओलंपिक में कर्णम मल्लेश्वरी ने कांस्य पदक जीता था। खेल मंत्रालय द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में मीराबाई ने कहाए श् मैं इस पदक को भारतवासियों को समर्पित करना चाहती हूं। यह पदक मैं उन सबको समर्पित करती हूंए जिन्होंने मेरी हौसलाअफजाई कीए जिन्होंने मेरे लिये प्रार्थना की। मैं प्रधानमंत्री और खेल मंत्री को शुक्रिया बोलना चाहूंगी। उन्होंने मुझे बहुत कम समय में अभ्यास के लिए अमेरिका भेजा था। सभी तैयारियों को एक दिन में पूरा किया गया था। उनके कारण ही मुझे अच्छा प्रशिक्षण मिला और मैं पदक जीतने में सफल रही। मेरी

सफलता का श्रेय टॉप्स ;टारगेट ओलंपिक पोडियम योजनाद्ध जैसी योजनाओं को भी जाता है।श

इस मौके पर उनके कोच विजय शर्मा ने कहा कि यह तो सिर्फ शुरुआत है अब आने वाले समय में भारतीय खिलाड़ी और पदक जीतेंगे। मीराबाई और उनके कोच को सम्मानित करने के लिये आयोजित कार्यक्रम में खेल मंत्री अनुराग ठाकुरए खेल राज्य मंत्री निशिथ प्रामाणिक के साथ किरेन रीजीजूए सर्बानंद सोनोवाल और जी कृष्ण रेड्डी जैसे अन्य केन्द्रीय मंत्री थे। रीजीजू और सोनोवाल पहले खेल मंत्री रह चुके है। ठाकुर ने हिमाचली टोपीए शॉल पहनाकर चानू और उनके कोच को सम्मानित किया। खेल मंत्री ठाकुर ने कहा कि मीराबाई ने ओलंपिक के पहले दिन पदक जीता जिससे देश के दूसरे खिलाडि़यों का मनोबल काफी बढ़ा है। उन्होंने कहाए श् ओलंपिक खेलों के पहले दिन आप ने पदक जीत कर बाकी खिलाडि़यों का हौसला बढ़ाया है। आपकी इस उपलब्धि से बाकी खिलाडि़यों को प्रेरणा मिलेगी।

मीराबाई का स्वदेश लौटने पर हवाई अड्डे पर गर्मजोशी से स्वागत किया गया था। उन्होंने यहां पहुंचने के बाद ट्वीट कियाए श् इतने प्यार और समर्थन के बीच यहां वापस आकर खुशी हो रही है। बहुत . बहुत धन्यवाद।श् इस 26 वर्षीय खिलाड़ी का श्भारत माता की जय के नारों से स्वागत किया गया और भारतीय खेल प्राधिकरण के अधिकारियों सहित अन्य लोगों ने उनका अभिनंदन किया। इससे पहले मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने सोमवार को घोषणा की कि तोक्यो ओलंपिक में रजत पदक जीतने वाली भारोत्तोलक मीराबाई चानू को राज्य पुलिस विभाग में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के रूप में नियुक्त किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार उन्हें एक करोड़ रुपये का इनाम भी देगी।

हार के बाद मनिका बत्रा ने दिया दिल जीतने वाला बयान, कहा- आप सब ने परिवार की तरह सपोर्ट किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय खिलाड़ी मनिका बत्रा टोक्यो ओलंपिक खेलों की टेबल टेनिस प्रतियोगिता के महिला एकल में सोमवार को यहां आस्ट्रिया की सोफिया पोलकानोवा से सीधे गेम में हारकर बाहर हो गयी। इससे पहले अपने से अधिक रैंकिंग की खिलाडि़यों को हराने वाले मनिका के पास विश्व में 16वें नंबर की पोलकानोवा के नियंत्रित और दमदार खेल का कोई जवाब नहीं था। उन्होंने 0.4 ;8.11ए 2.11ए 5.11ए 7.11द्ध से यह मैच गंवाया। मनिका इससे पहले अचंता शरत कमल के साथ मिश्रित युगल में भी बाहर हो गयी थी।

मनिका ने हार के बाद भी सोशल मीडिया पर फैन्स का शु?क्रिया अदा किया है। उन्होंने कहा कि आप लोगों ने जो सपोर्ट किया हैए उसके सभी को धन्यवाद। मनिका ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया हैए जिसमें उन्होंने कहाए श्

आज का मैच बहुत टफ थाए लेकिन मैं आप सबको धन्यवाद देती हूं कि आप सबने मुझे सपोर्ट किया। मैंने अभी मैसेज देखे तो मुझे बहुत अच्छा लगा कि हारने के बाद भी आप सबने मुझे मैसेज किया और बहुत सारा प्यार दिया। हारने के बाद भी सबका मैसेज आया कि श्कीप वर्किंग हार्डश् और नेक्सट टूर्नामेंट पर ध्यान दो। इसके लिए आप सबका बहुत बहुत धन्यवाद। मै आपसबको विश्वास दिलाता हूं कि मैं कड़ी मेहनत करना जारी रखूंगी और मुझे उम्मीद है कि आप सब आगे भी मुझे इसी तरह सपोर्ट करते रहेंगे। आप सब मेरे परिवार और आप सबका साथ मिलनाए मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। मनिका ने केवल 22 मिनट में 0.4 ;8.11ए 2.11ए 5.11ए 7.11द्ध से यह मैच गंवाया। महिला एकल के दूसरे दौर में सुतिर्था पुर्तगाल की फू यू से एकतरफा मुकाबले में 0.4 ;3.11ए 3.11ए 5.11ए 5.11द्ध से हार गयी।

स्पेन के खिलाफ वापसी करना चाहेगी भारतीय मेंस हॉकी टीम

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया से बुरी तरह शिकस्त का सामना करने वाली भारतीय पुरुष हॉकी टीम मंगलवार को टोक्यो के अपने तीसरे पूल ए मैच में अपने से कम रैंकिंग वाली टीम स्पेन के खिलाफ लय और टूटे हुए मनोबल को फिर से हासिल करने की कोशिश करेगी। अपने अभियान के शुरुआती मैच में न्यूजीलैंड पर 3.2 से जीत दर्ज करने के बाद भारतीय टीम को दूसरे मैच में दुनिया की नंबर एक टीम ऑस्ट्रेलिया से 1.7 के बड़े अंतर से हार का सामना करना पड़ा। इस बड़ी पराजय ने भारतीय टीम की हर कमजोरी को उजागर कर दिया। ऑस्ट्रेलिया ने इस मैच में पहले क्वार्टर के बाद भारतीय डिफेंस में मनमाने तरीके से सेंध लगाते हुए गोलों की बौछार कर दी और टूर्नामेंट में अपनी लगातार दूसरी जीत दर्ज की। अप्रैल 2019 में ऑस्ट्रेलिया के ग्राहम रीड के कोच बनने के बाद से यह भारत की सबसे बड़ी हार भी थी। भारत की कमजोर डिफेंस पर ऑस्ट्रेलिया ने मैच की शुरुआत से ही दबाव डालकर पहले हाफ में चार और दूसरे हाफ में तीन गोल किये।

न्यूजीलैंड के खिलाफ कड़े मुकाबले में जीत दर्ज करने के बाद विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर काबिज

भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पूरी तरह से बेरंग नजर आयी। इन खेलों से पहले कई मुश्किल परिस्थितियों का सामना करने के बाद भारतीयों को वापसी करने के बारे में अच्छी तरह से पता है। मुख्य कोच ग्राहम रीड विश्व रैंकिंग में नौवें स्थान पर काबिज स्पेन के खिलाफ दमदार वापसी की उम्मीद करेंगे। अंक तालिका के हिसाब से भारत इस समय गोल अंतर के कारण न्यूजीलैंड के बाद चौथे स्थान पर है। इस पूल में शीर्ष पर ऑस्ट्रेलिया और उसके बाद अर्जेंटीना है। स्पेन और मेजबान जापान ने भी दो.दो मैच खेले है लेकिन अभी उनका जीत का खाता नहीं खुला है। छह.छह टीमों के दो पूल से शीर्ष चार.चार टीमें क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी।

भारतीय खिलाड़ी रविवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के करीब नहीं दिख रहे था। टीम में हरमनप्रीत सिंहए रूपिंदर पाल सिंह और अमित रोहिदास के रूप में तीन विश्व स्तरीय ड्रैग.फ्लिकर होने के बावजूद मैच में छह पेनल्टी कार्नर में से वे एक को भी भुनाने में सफल नहीं रहे। यही हाल अग्रिम पंक्ति का भी रहा जहां मनदीप सिंहए शमशेर सिंहए ललित उपाध्याय और दिलप्रीत के खेल ने निराश किया।

अंतरराष्ट्रीय हॉकी में मध्य पंक्ति की काफी अहमियत होती है और यहां भी कप्तान मनप्रीत के अलावा कोई भी खिलाड़ी अपने रंग में नहीं दिखा। रुपिंदरए हरमनप्रीतए अनुभवी बीरेंद्र लाकड़ा और रोहिदास जैसे खिलाडि़यों से सजी रक्षापंक्ति को ऑस्ट्रेलिया की आक्रामक शैली ने पूरी तरह से मात दी। अनुभवी गोलकीपर पीआर श्रीजेश भी ऑस्ट्रेलियाई आक्रमण को रोकने में विफल रहे।भारतीयों के लिए हालांकि मंगलवार का दिन पूरी तरह से अलग होगा और रियो ओलंपिक में ऑस्ट्रेलिया को कोचिंग देने वाले भारत के मुख्य कोच रीड ने कहा कि भारतीय टीम को मौके को भुनाना होगा। उन्होंने रविवार को हार के बाद कहा थाए श् हमें बस उनके खिलाफ गोल करके दबाव बनाने की जरूरत है। आपको हर मौके को भुनाना होगा। उन्होंने एम्सटेलवीन में यूरो 2017 चैंपियनशिप को याद किया जहां नीदरलैंड बेल्जियम से 0.5 से हार गया थाए लेकिन अंततः उन्हें फाइनल में हरा दिया था। रीड ने कहाए श्हम अपने मनोबल को प्रभावित नहीं होने देंगे। हम देखेंगे कि क्या सुधार किया जा सकता है और अगले अभ्यास सत्र और अगले मैच पर ध्यान केंद्रित करेंगे। यही मानसिकता है जिसके साथ हम आगे बढ़ना चाहते हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हमें गेंद को गोल में डालना है। वही दूसरी तरफ स्पेन की कोशिश भी टूर्नामेंट में पहली जीत दर्ज करने की होगी। उसने अर्जेंटीना को 1.1 की बराबरी रोका था लेकिन न्यूजीलैंड के खिलाफ उसे 3.4 से हार का सामना करना पड़ा।

भारतीय महिला हॉकी टीम की लगातार दूसरी हार, जर्मनी ने 2.0 हराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। आसान मौके नहीं भुनाने का खामियाजा भारतीय महिला हॉकी टीम को टोक्यो ओलंपिक में लगातार दूसरी हार के साथ भुगतना पड़ा जब सोमवार को रियो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता जर्मनी ने उसे 2.0 से पछाड़ा। पहले मैच में दुनिया की नंबर एक टीम नीदरलैंड से 1.5 से हारने के बाद भारतीयों ने बेहतर प्रदर्शन किया लेकिन पूल ए के मैच में रियो ओलंपिक कांस्य पदक विजेता जर्मनी को हराने के लिये यह काफी नहीं था। भारत की गुरजीत कौर ने तीसरे क्वार्टर में पेनल्टी स्ट्रोक पर गोल करने का मौका भी गंवाया। जर्मनी के लिये कप्तान निकी लौरेंज ने 12वें और अनन श्रोडेर ने 35वें मिनट में गोल किये। भारत का सामना बुधवार को ब्रिटेन से होगा।

जर्मनी ने मैच में आक्रामक शुरूआत की और गेंद पर नियंत्रण बनाये रखा। भारतीय टीम धीरे धीरे

मैच में लौटी। जर्मनी को नौवें मिनट में गोल करने का मौका मिला लेकिन फ्रांसिस्का हाउके के शॉट को भारतीय गोलकीपर सविता ने बचा लिया। तीन मिनट बाद ही हालांकि कप्तान लौरेंज ने पहले पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर जर्मनी को बढत दिला दी। जर्मनी को 21वें मिनट में फिर पेनल्टी कॉर्नर मिला जिसे भारतीय डिफेंडरों ने बचा लिया। इस बीच भारतीय खिलाडि़यों ने कई मौके बनाये लेकिन उन्हें गोल में नहीं बदल सकी। वंदना कटारिया ने कई अच्छे मूव बनाये लेकिन फॉरवर्ड पंक्ति उन्हें अंजाम तक नहीं ले जा सकी। तीसरे क्वार्र के दूसरे मिनट में वंदना ने भारत को पहला पेनल्टी कॉर्नर दिलाया। कप्तान रानी का शॉट जर्मन डिफेंडर के शरीर से टकराया । रेफरल पर भारत को पेनल्टी स्ट्रोक मिला लेकिन गुरजीत गोल नहीं कर सकी। तीन मिनट बाद जर्मनी के लिये श्रोडर ने दूसरा गोल दाग दिया।

एमएस के साथ फुटबॉल खेलते नजर आए श्रेयस अय्यर, फोटो वायरल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के लिमिटेड ओवरों के स्पेशलिस्ट बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को लेकर हाल में ऐसी खबरें आई थी कि उन्हें अभी क्रिकेट में वापसी में और समय लगेगा, क्योंकि इस समय वे कंधे की सर्जरी से पूरी तरह उबरे नहीं है। अय्यर को रॉयल लंदन कप में लंकाशायर के साथ मैच से क्रिकेट में वापसी करना था, लेकिन सर्जरी से पूरी तरह से उबरने में नाकाम रहने पर उन्हें इससे हटने के लिए मजबूर होना पड़ा। हालांकि अब उन्होंने सोशल मीडिया पर कुछ ऐसी फोटो पोस्ट की है, जिससे फैन्स भी सोच में पड़ गए हैं कि क्या वे सच में पूरी तरह से नहीं उबरे है। अय्यर भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के साथ फुटबॉल खेलते नजर आए हैं, जिसकी कुछ तीस्वीरें उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट की है। फोटो में अय्यर मुंबई के बांद्रा में ऑल स्टार्स फुटबॉल प्रैक्टिस मैच में भाग लेते नजर आए। उन्होंने इस फोटो को अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया है। अय्यर ने फोटो के साथ कैप्शन में लिखा, ' बॉलिन विद दिज बॉलर्स' तस्वीर में, अय्यर गेंद को लेकर आगे दौड़ रहे हैं जबकि धोनी और अभिनेता करण वाही उन्हें पीछे से देख रहे हैं। अगली दो तस्वीरों में अय्यर को गेंद से खेलते हुए देखा जा सकता है। अय्यर को धोनी के साथ फुटबॉल खेलते देख फैन्स भी हैरत में पड़ गए और उन्हें यकीन नहीं हो रहा है कि धोनी और अय्यर एक साथ फुटबॉल खेल रहे हैं। फैन्स अब कमेंट करके पूछे रहे हैं कि क्या वह धोनी है जो आपके साथ है। यूजर्स ' माही, माही' भी लिख रहे हैं। धोनी और अय्यर अब सितंबर में क्रिकेट में वापसी करेंगे जब वे आईपीएल में अपनी-अपनी टीमों के लिए खेलने उतरेंगे।

हार के बाद श्रीलंका के लिए एक और झटका, भानुका राजपक्षा टी20 सीरीज से हुए बाहर

पहले टी20 में भारत के हाथों मिली हार के बाद श्रीलंका को एक और झटका लगा है। टीम के बल्लेबाज भानुका राजपक्षा चोट के कारण सीरीज के बाकी बचे दो मैचों से बाहर हो गए हैं। उनके अलावा चरिथ असलांका का भी खेलना तय नहीं लग रहा है। राजपक्षा को उंगली में चोट लगी है। भारत ने पहले टी20 मैच में श्रीलंका को 38 रनों से ह?राकर तीन मैचों सीरीज में 1-0 की लीड ले रखा है। ऐसा माना जा रहा है कि राजपक्षा को यह चोट तीन मैचों की वनडे सीरीज के दौरान लगी थी। उनके अलावा असलांका का भी अगले मैच में खेलना तय नहीं लग रहा है। उन्हें पहले टी20 मैच में हैमस्ट्रिंग चोट की शिकायत मिली थी।

इंग्लैंड में बायो-बबल का उल्लंघन करने पर निरोशन डिकवेला, कुसल मेंडिस और दनुष्का गुणथिलाका को सस्पेंड किए जाने के बाद, श्रीलंका के पास कम ही अनुभवी बल्लेबाज बचे हैं। इंग्लैंड दौरे पर टीम एक भी मैच जीतने में असफल रही थी। भारत के खिलाफ भी उसे घर में वनडे सीरीज गंवानी पड़ी है। टी20 सीरीज में पहला मैच हारने के बाद मेजबान टीम पर टी20 सीरीज भी गंवाने का खतरा बना हुआ है। असलांका के बाहर होने से टीम को तगड़ा झटका लग सकता है क्योंकि उन्होंने पहले टी20 में चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 26 गेंदों पर 44 रनों की पारी खेली थी। दोनों टीमों के बीच दूसरा मैच मंगलवार को कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेला जाना है।

साजन प्रकाश हीट 2 में चौथे, कुल 24वें स्थान पर रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय तैराक साजन प्रकाश सोमवार को हीट दो में चौथे स्थान पर रहते हुए टोक्यो ओलंपिक की पुरुषों की 200 मीटर बटरफ्लाई स्पर्धा के सेमीफाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहे। पिछले महीने इटली में एक मिनट 56ण्38 सेकेंड के समय के साथ पर्सनल बेस्ट प्रदर्शन करते हुए ओलंपिक का श्ए क्वालीफाइंग स्तर हासिल करने वाले साजन एक मिनट 57ण्22 सेकेंड के समय के साथ 38 तैराकों के बीच 24वें स्थान पर रहे। शीर्ष 16 तैराकों ने सेमीफाइनल में जगह बनाई। साजन गुरुवार को 100 मीटर बटरफ्लाई में चुनौती पेश करेंगे। ओलंपिक में हिस्सा ले रहे दो अन्य भारतीय तैराक माना पटेल और श्रीहरि नटराज पहले ही प्रतियोगिता से बाहर हो चुके हैं।

लखनऊ का भी करेंगे दिल्ली की तरह घेराव

किसान नेता राकेश टिकैत ने किया बड़ा ऐलान

लखनऊ (एजेंसी)। किसान नेता राकेश टिकैत ने दिल्ली की तरह ही अब लखनऊ को भी घेरने का ऐलान किया है। संयुक्त किसान मोर्चा के लीडर राकेश टिकैत ने कहा कि हमने जिस तरह से दिल्ली को घेर रखा है, वैसे ही यूपी की राजधानी दिल्ली का भी घेराव करेंगे। यूपी चुनाव को देखते हुए ऐसा करने के सवाल पर टिकैत ने कहा, 'हमारा चुनाव से क्या मतलब है।

जनता जिससे खुश होगी, उसे वोट दे देगी।' वहीं पैसा लेकर आंदोलन करने के आरोपों पर राकेश टिकैत ने कहा कि कहां मिल रहा है? हमें भी दिला दो। टिकैत ने कहा कि हमने जिस तरह से दिल्ली की सीमाओं को घेर रखा है, वैसे ही हम यूपी की राजधानी की भी घेराव करेंगे। टिकैत ने कहा कि हमारी लड़ाई बीजेपी से नहीं है बल्कि मोदी सरकार से है। राकेश टिकैत ने कहा कि हम सरकार के आरोपों से डरने वाले नहीं हैं। उन्होंने एक बार फिर से साफ किया कि

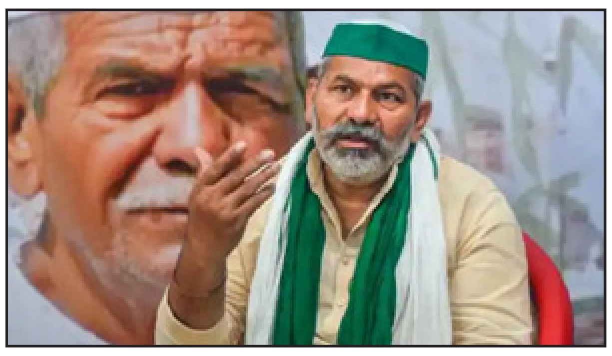

सरकार जब तक तीन कानूनों को वापस नहीं लेगी, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि सरकार एमएसपी के लिए कानून नहीं बना रही है। यह सिर्फ किसानों के लिए ही आंदोलन नहीं है बल्कि गरीबों, मजदूरों के लिए भी है। इसके अलावा राकेश टिकैत ने आज तक न्यूज चैनल से बातचीत करते हुए कहा कि 5 सितंबर को मुजफ्फरनगर में महापंचायत का भी ऐलान किया। इस दौरान किसान आंदोलन की आगे की रणनीति तय की जाएगी। लखनऊ का घेराव करने को लेकर टिकैत ने कहा कि यहां चुनाव होने वाले हैं और हमारे कई मुद्दे हैं। देश में सबसे ज्यादा बिजली यहां है। गन्ने के भुगतान नहीं हो रहे हैं। फसलों के दाम नहीं बढ़ रहे हैं। हम लखनऊ को भी दिल्ली बनाएंगे। इसे भी दिल्ली जैसा बनाएंगे। राकेश टिकैत ने कहा कि हमें राज्यों की राजधानियों को भी दिल्ली बनाना होगा। हालांकि किसान नेता ने लखनऊ में आंदोलन शुरू करने की तारीख का ऐलान नहीं किया। उन्होंने कहा कि इस आंदोलन का नेतृत्व किसान करेंगे और वही तारीख तय कर लेंगे।

राकेश टिकैत ने चुनाव से पहले आंदोलन को लेकर कहा कि क्या हम चुनावी राजनीति में हिस्सा नहीं ले सकते? हम भी तो इसी देश के नागरिक हैं। बीते दिनों एसी में आराम करने की अपनी तस्वीर वायरल होने को लेकर भी राकेश टिकैत ने जवाब दिया। उन्होंने कहा कि एसी तो एक यंत्र है, जो वातावरण को ठंडा रखता है। मैं गाजीपुर में किसान आंदोलन की जगह पर बने प्रेस क्लब में कुछ देर के लिए लेट गया था, जिसकी तस्वीर मीडिया वालों ने ही वायरल कर दी। राकेश टिकैत ने यूपी के अलावा उत्तराखंड, पंजाब समेत कई अन्य राज्यों में भी जाकर किसानों से चर्चा करने की बात कही है। टिकैत ने कहा कि हम देश भर के किसानों से राज्य सरकारों की भी नीतियों और कामों को लेकर बात करेंगे। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने पूरे देश पर कब्जा जमा लिया है। टिकैत ने कहा कि हम 14 और 15 अगस्त को ट्रैक्टरों से गाजीपुर बॉर्डर पर जाएंगे और झंडा फहराएंगे। उन्होंने कहा कि दो जिलों से दिल्ली के लिए ट्रैक्टर जाएंगे। टिकैत ने कहा कि हमने 26 जनवरी को तिरंगा झंडा नहीं हटाया था।

भारतीय बैंक अब विदेशों में भी बेच पाएगी विजय माल्या की संपत्ति, यूके हाईकोर्ट ने पास किया बैंकरप्सी ऑर्डर

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूके हाईकोर्ट ने भगोड़ा कारोबारी विजय माल्या के खिलाफ दिवालिया आदेश जारी किया है। इसके साथ ही भारतीय बैंकों को दुनिया भर में माल्या की संपत्ति का पता लगाने और उसे बेचने के साथ-साथ अकाउंट को फ्रीज करने की अनुमति मिल गई है। याचिकाकर्ताओं में बैंक ऑफ बड़ौदा, कॉर्पोरेशन बैंक, फेडरल बैंक लिमिटेड, आईडीबीआई बैंक, इंडियन ओवरसीज बैंक, जम्मू एंड कश्मीर बैंक, पंजाब एंड सिंध बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, स्टेट बैंक ऑफ मैसूर, यूको सहित 13 भारतीय बैंकों का एसबीआई के नेतृत्व वाला संघ शामिल है।

विजय माल्या को सोमवार को ब्रिटेन की एक अदालत ने दिवालिया घोषित कर दिया, जिससे भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के नेतृत्व में भारतीय बैंकों के एक संघ के लिए दुनिया भर में फ्रीजिंग आदेश का पालन करने का मार्ग प्रशस्त हो गया। समाचार एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार, ठब्रिटेन की अदालत ने माल्या को दिवालिया घोषित कर दिया। मुख्य दिवाला और कंपनी अदालत (आईसीसी) के न्यायाधीश माइकल ब्रिग्स ने लंदन में उच्च न्यायालय के चांसरी डिवीजन की आभासी सुनवाई के दौरान अपना फैसला सुनाया। .

आपको बता दें कि विजय माल्या अभी ब्रिटेन में जमानत पर है। भारत से ब्रिटेन भागकर गए माल्या की अब बंद हो चुकी किंगफिशर एयरलाइंस के संचालन से जुड़े कथित 9,000 करोड़ रुपये की बैंक धोखाधड़ी के संबंध में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा जांच की जा रही है। ईडी ने पहले कहा था कि शराब कारोबारी भारत के प्रत्यर्पण के खिलाफ अपना मामला हार गया है। उसे यूके के सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर करने की अनुमति नहीं दी गई थी, इसलिए भारत में उसके प्रत्यर्पण की संभावना बढ़ गई है।

कोरोना से मरने वालों के आश्रितों को जल्द दी जाए नौकरी, रेलवे बोर्ड ने सभी महाप्रबंधकों को दिए आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोरोना महामारी में आंशिक अथवा पूर्ण लॉकडाउन में भारतीय रेल के कर्मचारी आम जनता तक आवश्यक सामग्री की निर्बाध आपूर्ति करते रहे। अपनी ड्यूटी निभाते हुए अब तक 2903 रेल कर्मचारियों की मौत हो चुकी है। लेकिन जोनल रेलवे अधिकारी मृतकों के आश्रितों के प्रति असंवेदनशील रवैये अपनाए हुए हैं। इस कारण कुल मृतकों के आश्रितों में से सिर्फ 1732 को अनुकंपा के आधार पर नौकरी दी जा सकी है। शेष 1171 आश्रित जोनल मुख्यालयों के चक्कर काट रहे हैं।जोनल अधिकारियों के रवैये से नाराज रेलवे बोर्ड ने 14 जुलाई को सभी जोनल महाप्रबंधकों और रेल कारखानों-फैक्ट्रियों के महाप्रबंधकों को पत्र लिखा है। रेलवे बोर्ड के निदेशक (स्थापना) एम.एम. राय ने कहा है कि कोरोना बीमारी के चलते ड्यूटी के दौरान मारे गए कर्मचारियों के आश्रितों (विधवा अथवा बच्चों) को अनुकंपा के आधार पर नौकरी देने की प्रक्रिया को तेज किया जाए। नौकरी देने में विलंब को लेकर लगातार शिकायतें आ रही हैं। उन्होंने कहा कि उक्त प्रक्रिया को व्यवस्थित बनाए जिससे प्रक्रिया को तेज किया जा सके। उन्होंने कहा कि कोरोना बीमारी से मृतक कर्मचारियों के परिवार काफी परेशानियों का सामना कर रहे हैं। इसलिए आश्रितों को नौकरी देने का काम प्राथमिकता और समयबद्ध तरीके से पूरा करना चाहिए। विदित हो कि पिछले साल पूर्ण लॉकडाउन में मालगाड़ियों को परिचालन जारी रहा। इसके चलते ड्राइवर, गार्ड, स्टेशन मास्टर, गैंगमैन, सेक्शन कंट्रोलर आदि कोरोना बीमारी की चपेट में सबसे अधिक आए हैं। इसलिए मृतकों में सर्वाधिक परिचालन से जुड़े कर्मचारी हैं।

पिछले 10 साल से स्विस बैंक में छिपाए गए काले धन का कोई आधिकारिक अनुमान नहीं: सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार ने सोमवार को कहा कि पिछले 10 वर्ष से स्विस बैंक में छिपाए गए काले धन का कोई आधिकारिक अनुमान नहीं है। लोकसभा में विन्सेंट एच पाला के प्रश्न के लिखित उत्तर में वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने यह बात कही। उन्होंने यह भी कहा कि हाल के वर्षों में विदेशों में छिपाए गए काले धन को वापस लाने के लिए सरकार ने अनेक प्रयास किए हैं जिनमें काला धन एवं कर अधिरोपण कानून को प्रभावी करना, विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन करना आदि शामिल हैं। चौधरी ने बताया कि इस साल 31 मई तक काला धन अधिनियम, 2015 की धारा 10(3)/10(4) के तहत 66 मामलों में निर्धारण आदेश जारी किए गए हैं जिसमें 8,216 करोड़ रुपए की मांग की गई है। उन्होंने कहा कि एचएसबीसी मामलों में लगभग 8,465 करोड़ रुपये की अघोषित संपत्ति को कर के अधीन लाया गया है और 1,294 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया गया है। आईसीआईजे (खोजी पत्रकारों का अंतरराष्ट्रीय संघ) मामलों में लगभग 11,010 करोड़ रुपए की अघोषित आय का पता चला है।चौधरी ने कहा कि पनामा पेपर्स लीक मामलों में 20,078 करोड़ रुपए (लगभग) के अघोषित जमाधन का पता चला है। वहीं पेराडाइज पेपर्स लीक मामलों में लगभग 246 करोड़ रुपए के अघोषित जमाधन का पता चला है।

टीएमसी का आरोप- प्रशांत किशोर की टीम को त्रिपुरा में किया गया नजरबंद, पुलिस ने दिया कोरोना प्रोटोकॉल का हवाला

अगरतला (एजेंसी)। चुनवी रणनीतिकार प्रशांत किशोर की टीम इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमेटी (ध्-ईंण) के 23 सदस्यों के आज त्रिपुरा पुलिस ने कोरोना टेस्ट की रिपोर्ट आने तक त्रिपुरा के एक होटल में रहने के लिए कहा। पुलिस ने यह जानकारी दी है। टीम राज्य में 2023 में होने वाले विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की क्षमता का आकलन करने के लिए पहुंची थी।पुलिस ने बताया कि कुछ दिन पहले राज्य के बाहर से आए ये लोग कोरोना कर्फ्यू के बीच अलग-अलग जगहों पर घूमते पाए गए। नतीजतन, पुलिस ने सोमवार को उनके होटल का दौरा किया और उनकी यात्रा के उद्देश्य के बारे में पूछताछ की। पूर्वी अगरतला पुलिस थाने के एक पुलिस

अधिकारी ने कहा कि इन सभी का कोविड-19 परीक्षण किया गया और स्वास्थ्य विभाग से मंजूरी मिलने तक उन्हें अपने निजी होटल में रहने को कहा गया।

आई-पीएसी के एक व्यक्ति ने कहा कि टीम के सदस्यों को होटल के अंदर रहने का कोई कारण नहीं बताया गया था, सिवाय इसके कि आदेश ठउपर सेठ आया था। व्यक्ति ने कहा कि आरटी पीसीआर परीक्षणों को इस तरह से संरेखित किया गया है कि आने वाले टीम के सदस्य कोलकाता के लिए अपनी उड़ानों में सवार हो सकते थे और इसके अलावा कुछ नहीं कर सकते थे।

हालांकि, राज्य के स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि टीम के सदस्यों ने अनिवार्य निगेटिव आरटी-पीसीआर रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं करके राज्य की अपनी यात्रा के दौरान कोविड -19 प्रोटोकॉल का उल्लंघन किया। टीएमसी, त्रिपुरा इकाई के अध्यक्ष आशीष लाल सिंह ने इसे लोकतंत्र पर हमला करार दिया। सिंह ने कहा, ठआई-पीएसी की टीम यहां एक सर्वेक्षण के लिए आई थी। राज्य सरकार ने उन्हें घर में नजरबंद कर दिया है क्योंकि वे अपने सर्वेक्षण के परिणामों से डरते हैं। यह त्रिपुरा की संस्कृति नहीं है और मैं इस घटना की निंदा करता हूं।ठ बीजेपी ने अभी तक इस मुद्दे पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

गांव और शहर दोनों में तेजी से बढ़ी बेरोजगारी, तीसरी लहर की आशंका से और बढ़ा डर

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोरोना के चलते पिछले कुछ वक्त में भारत में बेरोजगारी बहुत तेजी से बढ़ी है। भारतीय अर्थव्यवस्था निगरानी केंद्र (सीएमआईई) की रिपोर्ट में इसको लेकर चौंकाने वाले आंकड़े जारी हुए हैं। सोमवार को जारी इसकी रिपोर्ट के मुताबिक 18 जुलाई तक जहां भारत में बेरोजगारी दर 5.98 फीसदी पर थी, वहीं 25 जुलाई तक यह 7.14 फीसदी पहुंच चुकी है। इसमें बताया गया है कि शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में बेरोजगारी में इजाफा हुआ है। हालांकि महीनावार आंकड़ों में बेरोजगारी की यह दर कुछ कम हुई है। जून में यह 10 फीसदी तक थी, लेकिन कोरोना की दूसरी लहर के बाद आर्थिक मोर्चे पर कुछ सुधार हुआ है, जिससे इसमें कमी आई है। विशेषज्ञों का दावा है कि कोरोना को नियंत्रित करने के लिए लगाए गए प्रतिबंधों के चलते बेरोजगारी ज्यादा बढ़ी है। वहीं

तीसरी लहर की आशंका आगे के लिए भी चिंताजनक तस्वीर पेश कर रही है।

सीएमआई श्रमिक बाजार पर निगाह रखता है। इसके मुताबिक पिछले हफ्ते शहरी बेरोजगारी दर का आंकड़ा 8.01 पहुंच चुका है। पिछले हफ्ते यह 7.94 फीसदी पर था। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी दर 6.75 पर पहुंच चुकी है, जो कि पिछले हफ्ते काफी नीचे 5.1 पर थी। वहीं सोमवार को ही व्यापार के फैलाव से जुड़ा आंकड़ा भी जारी हुआ है। नोमुरा इंडिया बिजनेस रिजंप्शन इंडक्शन (एनआईबीआरआई) की तरफ से जारी आंकड़े गिरकर 95.3 पर पहुंच गए हैं, जो पिछले हफ्ते 96.4 पर थे। इन आंकड़ों में गिरावट व्यापारिक गतिविधियों में कमी को दिखाता है। इन आंकड़ों को तैयार करने वाली संस्था के मुताबिक कोरोना की दूसरी लहर से पहले भी ये आंकड़े ठीक थे। हालांकि महामारी से पहले की तुलना में इनमें 4.7 फीसदी की गिरावट आ चुकी थी।

सोमवार को जारी इन आंकड़ों पर क्रिसिल से जुड़े अर्थशास्त्री गौतम शाही कहते हैं कि यह दिखाता है कि बेरोजगारी में किस हद तक इजाफा हुआ है। हालांकि कई अर्थशास्त्री इस बात पर सहमत हैं कि आने वाले हफ्तों में बेरोजगारी की दर घटेगी और अर्थव्यवस्था सुधरेगी। लेकिन उनका मानना है कि यह सब टीकाकरण की रफ्तार पर निर्भर करेगा। नोमुरा सिक्योरिटीज से जुड़ी सोनल वर्मा के मुताबिक अगस्त में टीकाकरण की रफ्तार में इजाफा होगा। लेकिन हाल ही में जिस तरह से वैक्सीनेशन की रफ्तार में गिरावट आई है उससे देरी होने की संभावना बढ़ रही है।

हिंद प्रशांत क्षेत्र में भारत की भूमिका को बेहद मजबूत बनाने के पक्ष में अमेरिका, ब्लिंकन की यात्रा महत्वपूर्ण साबित होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका हिंद प्रशांत क्षेत्र में भारत की भूमिका को बेहद मजबूत बनाने के पक्ष में है। बाइडन प्रशासन की पूरी कोशिश है कि एक अहम रणनीतिक साझेदार के रूप में भारत, अफगानिस्तान सहित पूरे क्षेत्र में प्रभावी भूमिका निभाए। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन की भारत यात्रा इस लिहाज से बहुत महत्वपूर्ण साबित होगी। जानकारों का कहना है कि अमेरिका जानता है कि इस इलाके में एक मजबूत भारत उसके हित में है। भारत अमेरिका के लिए एक विश्वसनीय साझेदार है। दोनों के बीच व्यापारिक साझेदारी रिकॉर्ड स्तर पर बढ़ रही है। रणनीतिक और सैन्य स्तर पर सहयोग नए मुकाम पर है। अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता भी साझा रूप से नजर आ रही है।

भारत और अमेरिका दोनों चाहते हैं कि क्वाड का विस्तार हो। साथ ही चीन के बढ़ते दखल पर अंकुश लगे। विवेकानंद फाउंडेशन के सीनियर फेलो पीके मिश्रा का कहना है कि अफगानिस्तान में पाकिस्तान की भूमिका संदिग्ध है। उधर चीन इस इलाके में भारत और अमेरिका दोनों के रणनीतिक हितों के खिलाफ अपना वर्चस्व स्थापित करने का प्रयास कर रहा है। ऐसे में भारत के साथ विश्वसनीय साझेदारी को मजबूत बनाना अमेरिका के पक्ष में है। गौरतलब है कि ब्लिंकन 27 व 28 जुलाई को भारत दौरे पर हैं।

पहली बहुपक्षीय वार्ता इस साल अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन की अगुवाई में वर्चुअल ही गई थी। इसमें क्वाड के बाकी सदस्य देश भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया ने शिरकत की थी। क्वाड के विस्तार की योजना में चीन रोड़ा अटकाने की कोशिश कर रहा है। लिहाजा अमेरिका की भूमिका काफी अहम होने वाली है। अमेरिका अन्य देशों को राजी करने में अहम भूमिका निभा सकता है। इस मुद्दे पर ब्लिंकन और भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर की बात हो सकती है।

अमेरिकी उप विदेश मंत्री ने कड़े अंदाज में चीन को समझाया, तिब्बत, हांगकांग और वुहान पर जताई आपत्ति

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक तरफ अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन भारत के साथ संबंधों को मधुर बनाने पहुंच रहे हैं। वहीं अमेरिका की उप विदेश मंत्री वेंडी शेरमन चीन पहुंची हुई हैं। हालांकि दोनों में अहम फर्क यह है कि अमेरिकी उप विदेश मंत्री ने चीनी विदेश मंत्री वैंग यी को अमेरिकी राय से बेहद ही कड़े अंदाज में रूबरू करा दिया है। चीनी विदेश मंत्री के साथ बातचीत में उन्होंने विभिन्न मुद्दों पर असहमति जताई है। अमेरिकी प्रवक्ता के मुताबिक वेंडी ने इस दौरान शिंजियान में नरसंहार, तिब्बत में मानवाधिकार उल्लंघन और हांगकांग में चीन के गैर लोकतांत्रिक तरीकों पर अपनी चिंता जताई। वेंडी शेरमन ने चीन को वॉशिंगटन की इस चिंता से भी रूबरू कराया कि वह विश्व स्वास्थ्य संगठन के साथ सहयोग नहीं कर रहा है। साथ ही कोरोना वायरस की उत्पत्ति पर दूसरे दौर की जांच से भी पीछे हट रहा है। वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने कोरोना की उत्पत्ति पर चिंता ऐसे समय जाहिर की है, जब अमेरिकी खुफिया एजेंसियां महामारी के उभार में चीन स्थित वुहान लैब को लेकर रिपोर्ट जारी करने वाली हैं।

तालिबान से लड़ाई में हार के अफगान सैनिकों का हाल बेहाल, पाकिस्तान में लेनी पड़ी शरण

नई दिल्ली (एजेंसी)। तालिबान के साथ लड़ाई के दौरान 46 अफगानी सैनिकों को पाकिस्तान में शरण लेनी पड़ी। सोमवार को पाकिस्तानी सेना ने इस बारे में जानकारी दी। इसके मुताबिक सीमा पर लड़ाई के दौरान कई जगहों पर अफगान सेना का नियंत्रण खत्म हो चुका है। इसके बाद अपनी जान बचाने के लिए अफगान सिपाहियों को पाकिस्तान का रुख करना पड़ा है। गौरतलब है कि पिछले कुछ हफ्तों में अफगान सेना के सिपाही और नागरिक ताजिकिस्तान, ईरान और पाकिस्तान भाग चुके हैं। यह हालात सीमा पर स्थिति खराब होने के बाद बनी है।

पाकिस्तानी सेना ने एक वक्तव्य में कहाकि अफगान अधिकारियों की तरफ से क्लीयरेंस मिलने के बाद इन सिपाहियों को सुरक्षित रास्ता दिया गया। इसके मुताबिक अफगान सिपाहियों को शरण देने के साथ-साथ, सैन्य नियमों के मुताबिक खाना और जरूरी मेडिकल सुविधाएं भी मुहैया कराई गई हैं। जी न्यूज की वेबसाइट पर चल रही खबर के मुताबिक किस्तानी सेना ने कहा है कि शरण लेने वाले सभी सिपाहियों को जरूरी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उनके देश वापस भेज दिया जाएगा। यह कदम उस वक्त उठाया गया है जबकि दोनों देशों के बीच हालात सामान्य नहीं हैं। गौरतलब है कि अफगानी राजदूत की बेटी पाकिस्तान में अपहरण होने के बाद वहां से तमाम अफगान राजनयिकों को वापस बुला लिया गया है।

गौरतलब है कि अमेरिका के अफगानिस्तान से अपने सैनिकों के वापस बुलाने की घोषणा के बाद से ही तालिबान यहां लगातार कहर बरपा रहा है।

पीओके में पहली बार इमरान खान की पार्टी बनाएगी सरकार, खूनखराबे के बीच हुए चुनाव

इस्लामाबाद (एजेंसी)। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, घातक हिंसा और विपक्ष द्वारा अनियमितताओं के आरोपों से घिरे विधानसभा चुनावों में 45 में से 25 सीटों पर जीत हासिल करने के बाद प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी सोमवार को पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में पहली बार सरकार बनाने के लिए तैयार है।

खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी (पीटीआई) ने 25 सीटें जीतीं, जबकि पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) 11 सीटों के साथ दूसरे और पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) सिर्फ छह सीटों के साथ तीसरे स्थान पर है। ऐसे में पीटीआई को बिना किसी अन्य पार्टी के समर्थन के सरकार बनाने के लिए बहुमत मिल गया। यह पहली बार है कि

पीटीआई पीओके में सरकार बनाएगी। इस चुनाव में मुस्लिम कॉन्फ्रेंस (एमसी) और जम्मू एंड कश्मीर पीपुल्स पार्टी (जेकेपीपी) ने एक-एक सीट पर जीत दर्ज की है।

भारत ने पहले गिलगित-बाल्टिस्तान में चुनाव कराने के फैसले के लिए पाकिस्तान को फटकार लगाई थी। भारत ने कहा था कि सैन्य कब्जे वाले क्षेत्र की स्थिति को बदलने के लिए किसी भी कार्रवाई का कोई कानूनी आधार नहीं है। 'पाकिस्तान के सूचना और प्रसारण मंत्री फवाद चौधरी ने कहा कि पीटीआई की चुनावों में शानदार जीत प्रधानमंत्री इमरान खान में आम आदमी के विश्वास की अभिव्यक्ति है। उन्होंने सोमवार को एक ट्वीट में कहा कि विपक्षी दलों को अपने नेतृत्व और राजनीति दोनों पर पुनर्विचार करना चाहिए। वहीं, पाकिस्तान के विपक्षी नेताओं - पीपीपी अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी और पीएमएल-एन की उपाध्यक्ष मरियम नवाज - ने आरोप लगाया कि पीटीआई ने धांधली के जरिए चुनाव जीता और रविवार को हुए चुनाव के नतीजों को खारिज कर दिया।

पीपीपी पिछली बार की 3 सीटों के मुकाबले 11 सीटों के साथ सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी बनकर उभरी है। उन्होंने पार्टी के विजयी उम्मीदवारों की सूची भी साझा की। पीएमएल-एन की उपाध्यक्ष मरियम ने कहा कि उन्होंने परिणामों को स्वीकार नहीं किया है और न ही कभी स्वीकार करेंगी। उन्होंने ट्वीट किया, ठमैंने न तो 2018 के नतीजों को स्वीकार किया और न ही इस नकली सरकार को स्वीकार किया।